■ कार्तिक शुक्ल - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 101 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 05-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 खरगे ने प्रधानमंत्री को आम जनता के वास्तविक मुद्दों पर बोलने की चुनौती दी

6 प्रकृति के साथ सामंजस्य और सम्मान का प्रतीक पर्व सूर्य षष्ठी

7 इंटरनेट पर जलवे बिखेरती नजर आईं अभिनेत्री नरगिस फाखरी

फर्स्ट टेक

नवंबर के अंत में रियाद में होगी आईपीएल नीलामी

नई दिल्ली/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग की आगामी बड़ी नीलामी नवंबर के अंतिम हफ्ते में सऊदी अरब की राजधानी रियाद में होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, आईपीएल नीलामी रियाद में होगी और यह फ्रेंचाइजी को बता दिया गया है। संभावित तिथियां 24 और 25 नवंबर हैं। इस बार नीलामी बड़ी होगी जिसमें ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर और अर्शदीप सिंह जैसे भारत के स्टार खिलाड़ियों के लिए बोली लगेगी। दस फ्रेंचाइजी के पास 204 खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 641.5 करोड़ रुपए की राशि है। इन 204 स्थानों में से 70 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।

भारत-वियतनाम संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

नई दिल्ली/भाषा। भारत और वियतनाम की सेनाओं का संयुक्त अभ्यास सोमवार को हरियाणा में शुरू हुआ। इसका उद्देश्य शांति अभियानों में संयुक्त राष्ट्र दल के तहत कार्य करने के लिए इंजीनियरिंग और चिकित्सा टीम की तैनाती की क्षमता बढ़ाना है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 'विनबैक्स 2024' का पांचवां संस्करण पहली बार दोनों देशों की सेना और वायु सेना के कर्मियों की द्वि-सेवा स्तर की भागीदारी के साथ इस अभ्यास के दायरे में उल्लेखनीय वृद्धि का प्रतीक है। यह अभ्यास 23 नवंबर को अंबाला और चंडीमंदिर में संपन्न होगा। यह अभ्यास 2023 में वियतनाम में आयोजित द्विपक्षीय अभ्यास के अनुरूप है और इसने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आरजी कर दुष्कर्म-हत्याकांड के मुख्य आरोपी के खिलाफ आरोप तय

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक का शव मिलने के 87 दिन बाद एक स्थानीय अदालत ने मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ सोमवार को आरोप तय किए। हालांकि, रॉय ने खुद को निर्देश बताते हुए उसे मामले में फंसाए जाने का आरोप लगाया है। अदालत ने घोषणा की कि 11 नवंबर से रोजमर्रा के आधार पर मामले की सुनवाई की जाएगी। रॉय पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब रॉय को अदालत से बाहर ले जाया जा रहा था, तब उसने कहा, मैंने कुछ नहीं किया है। मुझे इस बलात्कार-हत्याकांड में फंसाया गया है। मेरी कोई नहीं सुन रहा है।

कनाडा के ब्रैम्पटन में खालिस्तानी आतंकियों ने की हिंदू मंदिर में हिंसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओटावा/भाषा। कनाडा के ब्रैम्पटन में खालिस्तानी झंडे लेकर आए प्रदर्शनकारियों द्वारा एक हिंदू मंदिर में लोगों के साथ की गई हिंसा की देश के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निंदा करते हुए कहा कि प्रत्येक कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र तरीके से और सुरक्षित माहौल में पालन करने का अधिकार है।

'कनैडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' की रिपोर्ट के अनुसार, पील क्षेत्रीय पुलिस ने रविवार को बताया कि ब्रैम्पटन के एक मंदिर में विरोध प्रदर्शन हुआ और सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के वीडियो में प्रदर्शनकारी खालिस्तान समर्थक बैनर पकड़े नजर आए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वीडियो में लोग एक दूसरे पर घूंसे बरसाते और एक-दूसरे पर डंडों से हमला करते हुए नजर आ रहे हैं और यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है।

ट्रूडो ने समुदाय की सुरक्षा और इस घटना की जांच के लिए ''त्वरित कार्रवाई करने पर'' स्थानीय प्राधिकारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सोमवार को लिखा, ''ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में आज हुई हिंसा अस्वीकार्य है। हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र तरीके से और सुरक्षित माहौल में पालन करने का अधिकार है। समुदाय की सुरक्षा और इस घटना की जांच के लिए तुरंत कार्रवाई करने पर पील क्षेत्रीय पुलिस को धन्यवाद।''

भारत ने कनाडा सरकार से की मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने कनाडा के ब्रैम्पटन स्थित हिंदू सभा मंदिर में खालिस्तानी उग्रवादियों द्वारा की गई हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए कनाडा सरकार से मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, हम कल ओंटारियो के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करते हैं। जायसवाल ने कहा, हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में शामिल लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं। भारतीयों और कनाडाई नागरिकों को समान रूप से सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारे कांसुलर अधिकारियों को धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से सुरक्षित रखा जाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'जानबूझकर' हिंदू मंदिर पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि हिंसा के ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं करेंगे। ब्रैम्पटन में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों की मंदिर यात्रा के दौरान हिंसक झड़पों के एक दिन बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'जानबूझकर किया गया हमला' और 'हमारे राजनयिकों को डराने का कायरतापूर्ण प्रयास' करार दिया। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का शासन बनाए रखेगी।

आगरा के पास वायुसेना का मिग-29 विमान दुर्घटनाग्रस्त

पायलट विमान से सुरक्षित निकलने में सफल रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायुसेना का एक मिग-29 लड़ाकू विमान सोमवार को एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान ''तकनीकी खराबी'' की वजह से उत्तर प्रदेश के आगरा के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले उसका पायलट विमान से सुरक्षित निकलने में सफल रहा और जमीन पर भी कोई भी हताहत नहीं हुआ है।

स्थानीय निवासियों द्वारा बनाए गए वीडियो में विमान को सुनेगा गांव में जमीन पर गिरते हुए और आग की लपटों में घिरते हुए देखा जा सकता है। पायलट को पास के बहा गांव में पैराशूट से उतरते हुए देखा गया, जहां लोग उसकी मदद के लिए दौड़े।

भारतीय वायुसेना ने कहा कि पायलट ने यह सुनिश्चित किया कि विमान के जमीन पर गिरने से जान-माल को कोई नुकसान न हो और फिर वह विमान से सुरक्षित बाहर निकल गया। उसने कहा कि साथ ही, दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश दे दिए गए हैं।

ईरान के प्रोफेसर ने आगरा के मंदिर में नमाज पढ़ी, माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा (उप्र)/भाषा। ताजमहल देखने पहुंचे ईरान के एक प्रोफेसर को मंदिर में नमाज अदा करते देख स्थानीय लोगों ने विरोध किया, जिसके बाद उन्होंने अपनी गलती मानते हुए माफी मांग ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, ईरान के एक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रविवार को अपनी पत्नी और बेटी के साथ ताजमहल देखने आये थे। ताजमहल घूमने के बाद वह बाहर आये और इसी दौरान नमाज का समय हो गया।

पुलिस ने बताया कि ताजमहल के पूर्वी द्वार के पास नमाज अदा करने के लिए उन्हें साफ जगह नहीं दिखी, ऐसे में कुछ ही दूरी पर मंदिर में साफ जगह देखकर प्रोफेसर नमाज अदा करने लगे। उनकी पत्नी और बेटी मंदिर के बाहर खड़ी रहीं। पुलिस ने कहा कि ईरानी पर्यटक को मंदिर में नमाज अदा करता देखकर स्थानीय लोग आ गये और उन्होंने इसका विरोध किया। इस पर प्रोफेसर ने माफी मांग ली।

विमान हादसे में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड जनरल की मौत

तेहरान/एपी। ईरान में पाकिस्तान की सीमा के पास एक अभियान के दौरान एक 'ऑटोगाइरो' (हेलीकॉप्टर के समान विमान) के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक कमांडर और उनके पायलट की सोमवार को मौत हो गई। सरकारी टीवी चैनल की रिपोर्ट में रिपोर्ट में कहा गया है कि जनरल हामिद मजांदरानी की मौत सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में स्थित सिरकन सीमा क्षेत्र में एक सैन्य अभियान के दौरान हुई। अर्द्ध-सरकारी 'तस्नीम समाचार एजेंसी' ने बताया कि यह दुर्घटना सैन्य अभ्यास के दौरान हुई। 'ऑटोगाइरो' रोटर डिजाइन के मामले में हेलीकॉप्टर के समान होता है, लेकिन यह सरल और छोटा होता है। ईरान में पायलट के प्रशिक्षण और सीमा की निगरानी के लिए आम तौर पर इसका इस्तेमाल किया जाता है।

उत्तराखंड में बस खाई में गिरी, 10 महिलाओं समेत 36 यात्रियों की मौत

मार्चुला (उत्तराखंड)/भाषा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में सोमवार को एक बस के गहरी खाई में गिर जाने से 36 यात्रियों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। घायलों में चार की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना के वक्त 43 सीट वाली बस में 60 से ज्यादा लोग सवार थे। गढ़वाल मोटर ओनर्स एसोसिएशन द्वारा संचालित बस गढ़वाल क्षेत्र में पौड़ी से लगभग 250 किलोमीटर दूर कुमाऊं में रामनगर जा रही थी।

जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब आठ बजे हुई। उन्होंने बताया कि बस अपने गंतव्य रामनगर से सिर्फ 35 किलोमीटर दूर थी जब यह अल्मोड़ा के मार्चुला क्षेत्र में करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई।

दुर्घटनास्थल से प्राप्त फोटो हादसे की भयावहता को दर्शाते हैं। वाहन जंगल से घिरे इलाके में चट्टानी ढलान से लुढ़कते हुए क्षतिग्रस्त हो गया और एक नाले से कुछ ही दूरी पर रुक गया।

सूर्यास्त 05-11-2024	सूर्योदय 06-11-2024
5:51 बजे	6:15 बजे

BSE	NSE
78,782.24	23,995.35
(-941.88)	(-309.00)

सोना	चांदी
8,357 रु.	100,425 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा

आदिवासियों का आरक्षण छीन लेगी कांग्रेस : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर आदिवासियों के आरक्षण को छीनकर उन्हें अपने 'वोट बैंक' को सौंपने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह उनकी पूजा करते हैं, जिन्हें दूसरों ने खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए आरक्षण का प्रावधान सुनिश्चित किया लेकिन (प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल) नेहरू जी ने इसका विरोध किया था। गांधी परिवार ने तब तक आरक्षण का विरोध किया जब तक वे नेहरू के बाद सत्ता में रहे। अब एक बार फिर उन्होंने खुले तौर पर घोषणा की है कि वे आदिवासियों के आरक्षण को खत्म कर देंगे। वे आदिवासी आरक्षण छीनकर अपने वोट बैंक को सौंप देंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने (कांग्रेस ने) एक और रणनीति तैयार की है। वे विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को अल्पसंख्यक संस्थान घोषित कर रहे हैं। इससे आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों का आरक्षण रोका जा रहा है। कांग्रेस की इस साजिश से सावधान रहें। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सत्तारूढ़ गठबंधन ने फर्जी दस्तावेज बनाने के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को सुविधा देकर आदिवासी 'पहचान, गरिमा और अस्तित्व' को दांव पर लगा दिया है। उन्होंने कहा, घुसपैठिए आपकी बेटियों को छीन रहे हैं, जमीन हड़प रहे हैं और आपकी रोटी खा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि झारखंड की जनसांख्यिकी को बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मोदी ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि झारखंड में भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए हर कदम उठाए जाएंगे। अवैध तरीके से हड़प की गई भूमि को फिर से आदिवासी बेटियों के नाम करने के लिए कानून लाए जाएंगे। उन्होंने झारखंड में भाजपा उम्मीदवार सीता सोरेन और महाराष्ट्र में एक महिला नेता को 'अपमानित' करने के लिए कांग्रेस नीत विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि महिलाओं का अपमान करना उनकी आदत है।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट से कई मकान जलकर खाक

कम से कम छह लोगों की मौत

मौमेरे (इंडोनेशिया)/एपी। इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप में ज्वालामुखी विस्फोटों के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। इंडोनेशिया की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के एक अधिकारी फिरमान योसेफ ने बताया कि सोमवार को आधी रात के बाद हुए विस्फोट के कारण 2,000 मीटर ऊंचाई तक राख हवा में फैल गई और गर्म राख ने पास के एक गांव को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कैथोलिक नन के एक कॉन्वेंट सहित कई मकान जल गए।

आपदा प्रबंधन एजेंसी ने पहले मृतक संख्या नौ बताई थी लेकिन बाद में उसने इसमें बदलाव करते हुए छह लोगों की मौत की जानकारी दी। उसने बताया कि उसे स्थानीय लोगों से ताजा जानकारी मिली जिसके बाद मृतक संख्या में बदलाव किया गया। उसने कहा कि जान-माल को हुए नुकसान के बारे में जानकारी अभी एकत्र की जा रही है, क्योंकि स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में ढहे मकानों के नीचे और लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई है।

भारत फिर चुना गया अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का अध्यक्ष

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को कहा कि भारत को एक बार फिर भारतीय सौर गठबंधन (आईएसए) का अध्यक्ष चुन लिया गया है। वह 2024 से 2026 तक यह दायित्व संभालेगा।

आईएसए की सातवीं आमसभा के मौके पर जोशी ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि फ्रांस को एक बार फिर आईएसए का उपाध्यक्ष चुना गया है। जोशी ने कहा कि भारत का अध्यक्ष पद पर दोबारा चुना जाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत की तरफ से दुनियाभर में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रभावशाली प्रयासों का प्रमाण है। भारत ने मिनी-ग्रिड एवं स्वास्थ्य देखभाल समाधान जैसी जरूरी सौर परियोजनाओं में निवेश बढ़ाने के लिए भी असरदार कदम उठाए हैं।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थायी समिति ने भारत को अध्यक्ष चुनने के साथ आठ उपाध्यक्ष भी चुने हैं। दुनिया के चार भौगोलिक क्षेत्रों में दो-दो उपाध्यक्षों का चुनाव किया गया है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

व्यक्ति की अभिव्यक्ति

व्यक्ति पर प्रहार को,
सहेगा सिर्फ व्यक्ति ही।
अनुरक्ति किसी पर सदा,
होती है अंध भक्ति ही।
है लोकतंत्र में स्वतंत्र,
व्यक्ति की अभिव्यक्ति ही,
विचार के दमन से क्षीण,
होती राष्ट्रशक्ति ही।।

रूढ़िवाद, अनैतिकता और अप्रमाणिकता पर गहरा प्रहार किया गुरुदेव तुलसी ने : साध्वी उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में आचार्य श्री तुलसी का 111वां जन्मदिवस अणुव्रत दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि एक शब्द के कई अर्थ होते हैं और लोग दो प्रकार के होते हैं अंतः दृष्टि वाले और बाह्य दृष्टि वाले। अंतः दृष्टि से आंतरिक अंधकार मिटता है, जबकि बाह्य दृष्टि से चीजें जैसी दिखाई देती हैं, वैसी ही समझ में आती हैं। गुरुदेव तुलसी ने रूढ़िवाद, अनैतिकता और अप्रमाणिकता पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने अपने कर्तव्यों को कभी नहीं छोड़ा और समाज को उजाले से भर दिया। उन्होंने बंद आंखों से ऐसे सपने देखे, जो हम खुली आंखों से भी नहीं देख सकते और उन्होंने उन सभी सपनों को साकार किया।

साध्वीश्री भव्ययशाजी ने कहा कि यदि गुरुदेव तुलसी का कोई विरोध करता, तो वे कहते, जो करे विरोध, हम समझे उसे विनोद्। इस युक्ति को उन्होंने उदाहरण के माध्यम से समझाते हुए बताया कि गुरुदेव तुलसी में अनेक दुर्लभ विशेषताएं थीं। साध्वी ी शिक्षाप्रभाजी ने गीत के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने अपने संस्मरण और गीत द्वारा अपने परम उपकारी के प्रति भाव प्रकट करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया।इस अवसर पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी, सुरेंद्र नाहटा, ललित सेठिया, आदित्य सेठिया और हार्दिक बरड़िया ने भी गीतों के माध्यम से गुरुदेव तुलसी के प्रति अपने श्रद्धासिक्त भाव व्यक्त किए। जैन युवा संगठन द्वारा नवकार मंत्र जप का लकी ड्रा निकाला गया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। तेरापंथ युवक परिषद, राजराजेश्वरी नगर द्वारा रिश्तों की डोर कार्यक्रम की जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्षा रिजुबाला डूंगरवाल,तेयुप के अध्यक्ष विमल धारीवाल और कई अन्य श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थीं। तेरापंथ युवक परिषद के मंत्री राकेश चौरडिया ने आगामी कार्यक्रमों की भी जानकारी दी।

जम्मू कश्मीर के लोगों में राज्य का दर्जा वापस पाने की प्रबल आकांक्षा है : उपराज्यपाल सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि विधानसभा चुनाव में भारी मतदान से लोगों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अटूट आस्था झलकती है, लेकिन राज्य का दर्जा वापस पाने की आकांक्षा अब भी प्रबल है।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की पहली विधानसभा में अपने पहले संबोधन में उन्होंने यह भी कहा कि सरकार घाटी में कश्मीरी पंडितों के सम्मान के साथ पुनर्वास का प्रयास करेगी और उसके लिए सुरक्षित माहौल तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा, विधानसभा के उद्घाटन सत्र में सदन के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। हम एक दशक से भी अधिक समय में पहली बार लोकतांत्रिक चुनाव के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन के बाद यहां एकत्र हुए हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने तथा जम्मू कश्मीर को संघशासित क्षेत्र में पुनर्गठित किए जाने के बाद हुआ यह पहला चुनाव 'राजनीतिक अनिश्चितता' के एक दौर के बाद लोकतांत्रिक शासन की बहाली में 'मील का अहम पत्थर' है। उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र की स्थायी भावना, हमारी संस्थाओं की ताकत और इस क्षेत्र के लोगों का इस विधानसभा के माध्यम से अपने लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व में विश्वास का प्रमाण है। इस प्रतिष्ठित सदन की बहाली देखना सौभाग्य की बात है, जो एक बार फिर जम्मू-कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाता है।

सिन्हा ने कहा कि विधानसभा चुनाव के सबसे उत्साहजनक पहलुओं में एक उच्च मतदान प्रतिशत रहा, जो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में लोगों की अटूट आस्था को दर्शाता है। उन्होंने कहा, विशेषकर जिन क्षेत्रों में पारंपरिक रूप से अलगाववादी भावनाओं के प्रति अल्पसंख्यकों के मुखर रूप से सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण होने के कारण मतदान में हिस्सेदारी नहीं होती थी, वहां उच्च मतदान प्रतिशत यह दर्शाता है कि जम्मू-कश्मीर के लोग अब भी चुनावी भागीदारी को अपनी चिंताओं और आकांक्षाओं को व्यक्त करने के साधन के रूप में देखते हैं। चुनावी प्रक्रिया का सफलतापूर्वक पूरा होना जम्मू-कश्मीर के इतिहास में एक युग का प्रतीक है। सिन्हा ने कहा कि वह लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने तथा लोगों को उनके योग्य शासन और भविष्य प्रदान करने के लिए सभी के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।

सिन्हा ने कहा कि लोगों को सरकार से काफी उम्मीदें एवं आकाक्षाएं हैं तथा सरकार इन उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरी करने के लिए कमर कस चुकी है।

पतंग उड़ाने के लिए कांच की परत वाले मांझे पर प्रतिबंध लगाया

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने पशु प्रेमियों के सुझावों को स्वीकार करते हुए पतंग उड़ाने के लिए धातु या कांच से बने मांझे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि मनुष्यों, पक्षियों और पर्यावरण को होने वाले नुकसान को रोका जा सके। राज्य सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (ईपीए), 1986 की धारा 5 के तहत अपनी अधिसूचना में संशोधन जारी किया है, जिसके तहत अब पतंग उड़ाने के लिए केवल सूती धागे का ही उपयोग किया जा सकेगा। यह धागा किसी भी तेज धार वाले धातु, कांच या चिपकाऊ पदार्थ या धागे को मजबूत करने वाली किसी भी अन्य सामग्री से मुक्त होगा। बयान के अनुसार, प्रतिबंध पहले केवल नायलॉन चाइनीज मांझे तक सीमित था, अब इसमें कांच या धातु पाउडर से लिपटे धागे को भी शामिल किया गया है।

चंडीगढ़, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना और त्रिपुरा सरकारों की ओर से पहले भी इसी तरह के निर्देशों वाली अधिसूचनाएं जारी की जा चुकी हैं। पेटा से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, कर्नाटक सरकार की ओर से यह संशोधन पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया की अपील के बाद किया गया है, जिसमें मांझे की वजह से होने वाली पक्षियों और मनुष्यों की मौतों पर ध्यान देने की बात कही गई है। पेटा इंडिया के वरिष्ठ एडवोकेसी अधिकारी फरहत उल ऐन ने कहा, हम नायलॉन मांझे के अलावा कांच और धातु से मजबूत पतंग के मांझे से उत्पन्न खतरों से निपटने के लिए कर्नाटक सरकार की सराहना करते हैं। अधिकारी ने कहा, यह निर्णायक कार्रवाई अनगिनत मनुष्यों और जानवरों को बचाएगी। हर कोई सादे सूती पतंग धागों या मनोरंजन के अन्य साधनों का चयन करके इन विनाशकारी चोटों और दुखद मौतों को रोकने में मदद कर सकता है।

कांग्रेस जहां भी सत्ता में आती है, वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है: शेलार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता आशीष शेलार ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस जहां भी सत्ता में आती है, वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है।

शेलार ने लोगों से महा विकास आघाडी को वोट न देने की अपील की। संवाददाताओं से बातचीत के दौरान भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष ने समाजवादी पार्टी द्वारा कांग्रेस के नेता पृथ्वीराज चव्हाण को लिखे पत्र का हवाला दिया जिसमें मुसलमानों के लिए आरक्षण और 'लव जिहाद' के मामलों के लिए गठित समिति को रद्द करने की मांग की गई थी। उन्होंने पार्टी (कांग्रेस) पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

शेलार ने कहा, कांग्रेस जहां भी सत्ता में आती है वहां राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देती है। जहां भी पार्टी सत्ता में आती है, वहां सामाजिक अशांति और अस्थिरता हमेशा बनी रहती है। जम्मू कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले इसका उदाहरण हैं। उन्होंने लोगों से 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) वाले एमवीए गठबंधन को वोट नहीं देने की अपील की।

चव्हाण को लिखे सपा के पत्र का हवाला देते हुए शेलार ने कहा, हम इस तरह की गतिविधियों को वोट जिहाद कहते हैं। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। हम इस तरह के वोट जिहाद के पूरी तरह खिलाफ हैं। शिक्षा और सरकारी नौकरियों में मुसलमानों को आरक्षण देने के मामले में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का क्या रुख है?

भाजपा नेता ने कहा कि महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला का तबादला देश के निर्वाचन आयोग के निर्देश पर किया गया और विपक्ष को यह स्वीकार करना चाहिए कि निर्वाचन आयोग तटस्थ और निष्पक्ष है। कांग्रेस सहित राजनीतिक दलों की शिकायतों के बाद निर्वाचन आयोग ने सोमवार को राज्य सरकार को डीजीपी शुक्ला का तत्काल प्रभाव से तबादला करने का निर्देश दिया था।

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि शुक्ला एक विवादास्पद अधिकारी हैं, जिन्होंने भाजपा का पक्ष लिया है और उनके पद पर बने रहने से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराने पर संदेह पैदा होगा।

मुख्यमंत्री आतिशी ने छठ की तैयारियों में 'बाधा डालने' के लिए भाजपा पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा की ''तैयारियों में बाधा डालने'' के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए उसे ''पूर्वांचल विरोधी'' करार दिया। उन्होंने केंद्र के अंतर्गत आने वाले दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) पर दक्षिणी दिल्ली के एक इलाके में छठ की तैयारियों को रोकने का भी आरोप लगाया।

मध्य दिल्ली के आईटीओ स्थित छठ घाट का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने कहा, चिराग दिल्ली में भाजपा की डीडीए द्वारा छठ पूजा की तैयारी में अड़चन लगाना उसकी पूर्वांचल विरोधी सोच को दर्शाता है। राष्ट्रीय राजधानी के पूर्वांचली समुदाय के लिए छठ पर्व के महत्व पर जोर देते हुए आतिशी ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार पिछले 10 वर्षों से इस त्योहार को भव्य तरीके से मना रही है। उन्होंने कहा, छठ पूर्वांचल के भाइयों और बहनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पर्व है और हम पिछले 10 वर्षों से पूरी दिल्ली में इसे बड़े धूमधाम से मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 10 साल पहले, दिल्ली में सिर्फ 60 स्थानों पर सरकार द्वारा छठ मनाया जाता था। आज, दिल्ली सरकार ने 1,000 से अधिक छठ घाट तैयार किए हैं, जहां हर कोई छठी मैया की विधिवत पूजा कर सकता है।

जम्मू : राष्ट्रीय बजरंग दल ने आंतकवादियों पर फारूक अब्दुल्ला के बयान को लेकर प्रदर्शन किया

जम्मू/भाषा। राष्ट्रीय बजरंग दल (आरबीडी) ने नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला द्वारा आतंकवादियों को लेकर दिए बयान के खिलाफ सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। दल ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की बढ़ती घटनाओं और केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद को भड़काने में पाकिस्तान द्वारा सहायता दिए जाने के खिलाफ भी प्रदर्शन किया। अब्दुल्ला ने हाल में यह सुझाव देकर राजनीतिक विवाद पैदा कर दिया था कि आतंकवादियों को मार गिराने के बजाय गिरफ्तार किया जाना चाहिए ताकि उनके आकाओं का पता लगाया जा सके और यह जाना जा सके कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों में हाल में हुई बढ़तोरी के पीछे कौन है। आरबीडी ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और केंद्र शासित प्रदेश में उनका समर्थन करने वाले स्थानीय मददगारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। आरबीडी अध्यक्ष राकेश कुमार के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकाली और आतंकवाद को बढ़ावा देने में पाकिस्तान की भूमिका और अब्दुल्ला की टिप्पणी की निंदा की। प्रदर्शनकारी अब्दुल्ला का पुतला लिए हुए थे और पाकिस्तान, नेकां और अब्दुल्ला के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे।

रघुबर दास और हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ कार्रवाई कब करेगा निर्वाचन आयोग : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने निर्वाचन आयोग के एक हालिया पत्र की भाषा और लहजे को लेकर सोमवार को उस पर निशाना साधा और सवाल किया कि आखिर यह संस्था असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास के खिलाफ कार्रवाई कब करेगी जो झारखंड विधानसभा चुनाव में ''आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं।

रमेश ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव से जुड़ी शिकायतों पर मुख्य विपक्षी दल को लेकर जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, वो किसी भी राजनीतिक दल के लिए नहीं की जा सकती। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपनी हार के बाद यह दावा किया था कि कई विधानसभा क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की बैट्री 99 प्रतिशत चार्ज थी और जहां ऐसा हुआ, वहां उसे हार का सामना करना पड़ा। इसको लेकर उसने निर्वाचन आयोग में शिकायत की थी। हालांकि आयोग ने उसकी शिकायतों को खारिज कर दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजे पत्र में आयोग ने कहा था कि इस तरह के तुच्छ और बेबुनियाद संदेह अशांति पैदा करने की क्षमता रखते हैं, खासकर मतदान और मतगणना जैसे महत्वपूर्ण चरण में, जब राजनीतिक दलों और जनता की बेचैनी चरम पर होती है। रमेश ने कहा, जिस भाषा और लहजे का इस्तेमाल किया गया वो ठीक नहीं है। ऐसा कहा गया कि हम आपसे मिले। क्या आपने (आयोग) हमसे मिलकर अहसान किया? यह तो आपका काम है।

कर्नाटक उपचुनाव में कांग्रेस का सफाया हो जाएगा : बोम्मई

हुब्बल्ली। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सोमवार को कहा कि राज्य में आगामी उपचुनाव सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका देंगे। कांग्रेस किसानों के मुद्दों पर अपने दोहरे मानदंडों के कारण तीनों विधानसभा सीटों पर हार जाएगी। यहां मीडिया से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद ने कहा कि लोग वक्फ संपत्ति के नाम पर किसानों को नोटिस जारी करने के राज्य सरकार के कदम से नाराज हैं। उन्होंने सवाल किया, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अपनी गलतियों का एहसास होने के बाद इन नोटिसों को वापस ले लिया है। यदि सरकार ने कुछ गलत नहीं किया है, तो वे किसानों को दिए गए नोटिस क्यों वापस लेंगे? कर्नाटक के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमीर अहमद खान के बयान की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि नोटिस सीएम के आदेश पर जारी किए गए थे।उपायुक्तों ने भी पुष्टि की है कि नोटिस मंत्री जमीर के निर्देश पर जारी किए गए थे।

बोम्मई ने कर्नाटक सरकार को यू-टर्न लेने वाली सरकार बताया और कहा, वे जमीन का अधिग्रहण करते हैं और फिर उसे वापस कर देते हैं, वे वाल्मीकि आदिवासी कल्याण निगम के धन को लूटते हैं और बाद में उसे वापस करने का दावा करते हैं। उन्होंने कहा, वक्फ के मामले में उन्होंने किसानों को नोटिस जारी किए और जब कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा तो उन्होंने आदेश वापस ले लिया। राज्य सरकार लगातार इसी तरह से काम कर रही है। चन्नापटना, संदुर और शिग्गांव विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होने हैं। बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई शिग्गांव विस सीट से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं।

सरकारी नौकरी के बदले नकदी घोटाले के पीड़ित शिकायत दर्ज कराएं : मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सरकारी नौकरी का झांसा देकर ठगे गए लोगों से पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सोमवार को अपील की और कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

हालांकि, विपक्षी दल गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) ने मांग की कि सभी मौजूदा भर्तियों को तुरंत निलंबित किया जाए और घोटाले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाए। गोवा पुलिस ने सरकारी नौकरी के बदले नकदी घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में कई मामले दर्ज होने के बाद यह घोटाला प्रकाश में आया। पणजी में संवाददाताओं से मुखातिब सावंत ने पीड़ितों से बिना डरे आगे आने और अपराधियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का आग्रह किया। उन्होंने भरोसा दिलाया, किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। हमने मामलों को बहुत गंभीरता से लिया है। वहीं, जीएफपी अध्यक्ष और फतोर्दा के विधायक विजय सरदेसाई ने मुख्यमंत्री को सोमवार को एक पत्र लिखकर कहा कि उन्होंने पिछले विधानसभा सत्र में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया था। सरदेसाई ने कहा कि चूंकि, लोग अपनी शिकायतें लेकर आगे आए हैं, इसलिए राज्य सरकार को बिना किसी देरी के इस भर्ती घोटाले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित करना चाहिए। उन्होंने लिखा, एसआईटी में गोवा प्रशासन से बाहर के पेशेवर शामिल किए जाने चाहिए, ताकि घोटाले की निष्पक्ष एवं गहन जांच सुनिश्चित की जा सके।

तेलंगाना में किसान कर्ज माफी का कांग्रेस का दावा झूठा : केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कांग्रेस और इसके वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर चुनावी राज्य महाराष्ट्र तथा झारखंड के मतदाताओं को गुमराह करने का आरोप लगाया।

रेड्डी ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में दावा किया कि तेलंगाना में कांग्रेस ने केवल 17,869 करोड़ रुपए का कृषि ऋण माफ किया है, न कि 31,000 करोड़ रुपए का, जैसा कि उसने वादा किया था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में प्रस्तावित कर्ज माफी योजना में 38.63 लाख किसानों को शामिल किया जाना था, जिस पर कुल व्यय 33,245 करोड़ रुपए आता, लेकिन महज 22 लाख किसानों के ऋण माफ हुए, जबकि 16 लाख से अधिक किसान अभी भी सरकार की शर्तों के तहत 15,376 करोड़ रुपए की राहत का इंतजार कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष रेड्डी ने कहा, बावजूद इसके, कांग्रेस और राहुल गांधी महाराष्ट्र, झारखंड तथा पूर्व में जम्मू-कश्मीर में मतदाताओं को बेशर्मी से बताते रहे हैं कि तेलंगाना में 31,000 करोड़ रुपए का कृषि कर्ज माफ कर दिया गया। उन्होंने कांग्रेस को चुनौती दी कि वह कृषि ऋण माफी के वादे पर उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से रिपोर्ट जारी करवाकर अपनी प्रतिबद्धता साबित करे। पार्टी पर चुनाव पूर्व गारंटी से लोगों को छलने का आरोप लगाते हुए रेड्डी ने कहा कि कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में कांग्रेस के शासन पर नजर दौड़ाने पर उसकी दिवालिया राजनीति स्पष्ट रूप से सामने आ जाती है।

रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस ने सरकार बनने के 100 दिन के भीतर छह गारंटी लागू करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और रेवंत रेड्डी जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने यह वादा किया था, लेकिन लोग इनके क्रियान्वयन के बारे में पूछ रहे हैं, जबकि सरकार सत्ता में एक साल पूरे करने के करीब है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मंगलवार को तेलंगाना का दौरा करने वाले हैं, ऐसे में उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि राज्य सरकार 'रायतु भरोसा' किसान सहायता योजना, बटाईदार किसानों एवं खेतिहर मजदूरों के लिए वित्तीय सहायता योजना, बेरोजगारी भत्ता योजना, महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपए आर्थिक मदद योजना और शादी के समय दुल्हन को एक तोला सोना देने से जुड़ी योजना सहित अन्य चुनावी वादों को कब पूरा करेगी। केंद्रीय कोयला मंत्री ने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में अधूरे चुनावी वादों के लिए भी कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 में तेलंगाना के पास अधिशेष बजट था, जबकि पिछली बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) सरकार ने राज्य पर सात लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज लाद दिया। रेड्डी ने दावा किया कि कांग्रेस ने सत्ता हासिल करने के लिए लोगों से बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन अब वह उनके साथ छल कर रही है। उन्होंने कांग्रेस से यह स्पष्ट करने को कहा कि वह बीआरएस से अलग कैसे है।

हिंदू श्रद्धालुओं पर हमले के मामले को कनाडा के समक्ष पुरजोर तरीके से उठाए सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कनाडा में एक हिंदू मंदिर में श्रद्धालुओं पर हमले को लेकर सोमवार को चिंता जताई और सरकार से आग्रह किया कि वह इस विषय को कनाडा की सरकार के समक्ष मजबूती से उठाए ताकि आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो। खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों की रविवार को कनाडा के ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में लोगों के साथ झड़प हुई, जिसके बाद ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने एक कड़ा बयान जारी कर 'भारत विरोधी' तत्वों द्वारा किए गए हमले की निंदा की। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक वीडियो जारी कर कहा, कनाडा से आए वीडियो को पूरा देश देख रहा है और परेशान है कि कैसे श्रद्धालुओं को मंदिर जाने से रोका जा रहा है, बाहर खालिस्तान समर्थक लोग नारेबाजी कर रहे हैं, हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। कनाडा की पुलिस उलटा श्रद्धालुओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा, हमारी भारत सरकार से मांग है कि वह इस मामले को कनाडा की सरकार के समक्ष मजबूती से उठाए और यह सुनिश्चित करे कि आगे ऐसी घटनाएं नहीं हों।

हाइपरप्योर गोदाम में मशरूम पर गलत लेबल लगाने के जिम्मेदार विक्रेता को हटाया गया: जोमैटो सीईओ

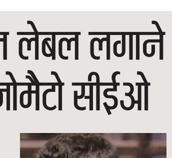

नई दिल्ली/भाषा। जोमैटो ने हैदराबाद में हाइपरप्योर गोदाम में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के निरीक्षण के दौरान मशरूम के पैकेट पर गलत पैकिंग तिथि पाए जाने के लिए जिम्मेदार विक्रेता को हटा दिया है। कंपनी के सीईओ दीपिंदर गोयल ने यह जानकारी दी। एफएसएसएआई की टीम ने इस गोदाम में निरीक्षण के दौरान कथित तौर पर भविष्य की तारीख वाले मशरूम पाए थे। गोयल ने स्पष्ट किया कि मशरूम के पैकेट पर गलत पैकिंग तिथि विक्रेता की ओर से मानवीय चूक के कारण हुई थी। उन्होंने पोस्ट किया, एफएसएसएआई टीम ने पाया कि बटन मशरूम के 90 पैकेट में पैकिंग तिथि गलत थी- हमारी गोदाम टीम को पहले ही इस बारे में पता चल गया था और गुणवत्ता परीक्षण के दौरान इन्हें खारिज कर दिया गया था। ऐसा आमतौर पर नहीं होता है और विक्रेता द्वारा मानवीय भूल के चलते ऐसा हुआ। फिर भी, संबंधित विक्रेता को हमारे डेटाबेस से हटा दिया गया है। हाइपरप्योर में सख्त दिशानिर्देश और तकनीकी प्रणालियां हैं, जिनकी मदद से हमारी टीम ने समय रहते गलती की पहचान कर ली थी। जोमैटो हाइपरप्योर व्यवसाय-से-व्यवसाय (बी2बी) मंच है, जो रेस्तरां, होटल और कैटरर्स को रसोई में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों की पेशकश करता है।

भाजपा का विरोध राजनीति के अलावा कुछ नहीं है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने वक्फ संपत्ति के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन को लेकर सोमवार को कहा कि यह राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है। राज्य के कुछ हिस्सों में किसानों के एक वर्ग द्वारा उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने के आरोपों के बाद

सोमवार को भाजपा ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया तथा सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर जमीन जिहाद'' में लिप्त होने का आरोप लगाया।

सिद्दरामय्या ने कहा, भाजपा कभी मुद्दों पर नहीं लड़ती, वे हमेशा झूठे आरोप लगाते हैं, वे राजनीति के लिए विरोध करते हैं। मुद्दा कहां है? बसवराज बोम्मई (भाजपा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री) ने पहले कहा था कि वक्फ संपत्ति का एक-एक इंच हिस्सा जिस पर अतिक्रमण किया गया है, उसे वापस लेना होगा। अब वह राजनीतिक कारणों से इसके खिलाफ बोल रहे हैं।'' यहां संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीति के लिए भाजपा इस मुद्दे को हवा दे रही है और विरोध-प्रदर्शन कर रही है'' लेकिन लोगों को समझ में आ गया है कि वक्फ संपत्ति का मुद्दा कोई नया नहीं है और भाजपा सहित सभी पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान नोटिस दिए गए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने एक बैठक करने के बाद स्पष्ट कहा था कि किसानों को जारी किए गए नोटिस तुरंत रद्द किए जाने चाहिए और उचित सूचना के बिना भूमि रिकॉर्ड में किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी रद्द किया जाना चाहिए। किसानों को किसी भी कारण से बेदखल नहीं किया जाना चाहिए, चाहे वे मुस्लिम हों या हिंदू या ईसाई या कोई और।''

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि किसानों को जारी सभी नोटिस तुरंत निरस्त किए जाएं और बिना उचित सूचना के भूमि रिकॉर्ड में किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी रद्द किया जाए। विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग का आरोप है कि उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है और कुछ अन्य स्थानों से भी इसी तरह के आरोप सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का विरोध प्रदर्शन राजनीति के अलावा ''कुछ नहीं'' है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही अधिकारियों को किसानों को भेजे गए सभी नोटिस तुरंत वापस लेने के निर्देश दे दिए हैं और आश्वासन दिया कि उनमें से किसी को भी बेदखल नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जानकारी मिलने के बाद ही उन्होंने नोटिस वापस लेने का निर्णय लिया न कि भाजपा के किसी दबाव में। सिद्दरामय्या ने कहा, ''जब येडीयुरप्पा, सदानंद गौड़ा, जगदीश शेट्टार (भाजपा के) और जनता दल (एस) नेता एच डी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने भी 216 मामलों में नोटिस जारी किए थे।''

मैसूरु के पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने वक्फ मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कथित बयान में कहा था कि वह (सिद्दरामय्या) मुसलमान बन गए हैं। इस संबंध में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''...एक सांप्रदायिक व्यक्ति से आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं? वह संविधान और लोकतंत्र का सम्मान नहीं करते और सांप्रदायिक गतिविधियों में लिप्त रहना उनका काम है, धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटना उनकी राजनीति है...।''

बेंगलूरु में सोमवार को भाजपा नेता आर अशोक, बैराती बसवराजू और सप्तगिरिगौड़ा ने किसानों की जमीन पर अतिक्रमण करने के आरोप में वक्फ बोर्ड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के कुछ हिस्सों में किसानों के एक वर्ग द्वारा उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने के आरोप लगाए जाने के बाद सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया तथा सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर ''जमीन जिहाद'' में लिप्त होने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि किसानों को जारी सभी नोटिस तुरंत निरस्त किए जाएं और बिना उचित सूचना के भूमि रिकॉर्ड में किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी रद्द किया जाए। मुख्यमंत्री के इस फैसले के बावजूद भाजपा ने विरोध प्रदर्शन जारी रखने का फैसला किया। विपक्षी दल ने वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की भी मांग की।

विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग का आरोप है कि उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है और कुछ अन्य स्थानों से भी इसी तरह के आरोप सामने आए हैं। बीजापुर (विजयपुरा) शहर से भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे के साथ सोमवार को विजयपुरा उपायुक्त कार्यालय के पास वक्फ गजट अधिसूचना को रद्द करने की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया।

विधायक ने कहा, जब तक मुद्दा पूरी तरह से सुलझ नहीं जाता, हम हार नहीं मानेंगे। शोभा करंदलाजे और मैंने अपना अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है... अगर हम सभी मजबूत हैं, तो हमारे किसानों और मठों की जमीन हमारे पास रहेगी। यह विरोध यहीं खत्म नहीं होगा। हम इसे पूरे कर्नाटक में ले जाएंगे।

टिकोटा तालुक के होनवाडा में 1,200 एकड़ जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने को लेकर ''भ्रम'' को दूर करने की मांग करते हुए विजयपुरा जिले के प्रभारी मंत्री एमबी पाटिल ने हाल ही में कहा था कि यह राजपत्र अधिसूचना में ''एक त्रुटि'' के कारण हुआ है।

वक्फ संपत्ति विवाद

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बेल्लारी में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जबकि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने यहां केआर पुरम में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

हुब्बल्ली में पत्रकारों के साथ बातचीत में मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ''राजनीति के लिए भाजपा इस मुद्दे को आगे बढ़ा रही है'', लेकिन लोग समझ गए हैं कि वक्फ संपत्ति का मुद्दा कोई नयी बात नहीं है और भाजपा सहित सभी पिछली सरकारों के दौरान नोटिस दिए गए थे।

इस बीच, विजयेंद्र ने कहा, सरकार और सत्तारूढ़ दल इसके पीछे हैं। जमीर अहमद खान एक मंत्री के रूप में राज्य भर में यात्रा कर रहे हैं और अधिकारियों को धमकी दे रहे हैं। मठों की भूमि पर वक्फ संपत्ति के रूप में दावा किया जा रहा है। किसानों की 15,000 एकड़ से अधिक भूमि पर वक्फ के नाम पर दावा किया जा रहा है। अशोक ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पर भरोसा नहीं किया जा सकता, इसलिए राज्य के किसान उन पर भरोसा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ...मुसलमानों के हित के लिए बार-बार आप कर्नाटक को बर्बाद कर रहे हैं, ऐसे सिद्दरामय्या पर कौन विश्वास करेगा? कोई भी व्यक्ति, कोई किसान उन पर भरोसा नहीं करेगा...यह वक्फ बोर्ड आदिलशाह, गजनी मोहम्मद, बाबर का बोर्ड बन गया है।''

मंगलूरु, मैसूरु, बेलगावी, हुब्बल्ली, विजयपुरा और दावणगेरे सहित अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। कुछ स्थानों पर पुलिस को प्रदर्शनकारियों को खदेड़ना पड़ा। करंदलाजे ने विजयपुरा जिला मुख्यालय शहर में कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के 43 स्थलों पर वक्फ संपत्ति होने का दावा किया गया है।

उन्होंने कहा, अगर हर चीज पर वक्फ के रूप में दावा किया गया है, तो यह एक साजिश के अलावा और कुछ नहीं है... राज्य में क्या हो रहा है? आप क्या करने की कोशिश कर रहे हैं? भूमि आतंकवाद या 'भूमि जिहाद' चल रहा है... क्या आप शरिया कानून लाने के लिए कोशिश कर रहे हैं? कर्नाटक में ऐसा नहीं होगा।

आर अशोक का केंद्रीय गृह मंत्री से आग्रह

वक्फ बोर्ड के भूमि पंजीकरण पर रोक लगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 की संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल से आग्रह किया है कि वे राज्य के मुख्य सचिव को निर्देश दें कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की प्रक्रियाओं के पूरा होने तक वक्फ बोर्ड के सभी भूमि पंजीकरण तुरंत रोक दिए जाएं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई भूमि को पंजीकृत करने के लिए जल्दबाजी में प्रयास किए जा रहे हैं, शायद इस उम्मीद में कि जेपीसी वक्फ अधिनियम में संशोधन ला सकती है। अशोक ने कहा, इस पूर्व-निवारक प्रयास के तहत राज्य सरकार और वक्फ बोर्ड ने कथित तौर पर राजस्व अभिलेखों में फेरबदल करना शुरू कर दिया है तथा किसानों की भूमि का स्वामित्व वक्फ बोर्ड को दे रहे हैं। जल्दबाजी में वक्फ बोर्ड को भूमि के अनुचित दावों का पंजीकरण करने से कर्नाटक के हजारों किसान एवं गरीब लोग अपने उचित और पैतृक संपत्ति अधिकारों से वंचित हो जाएंगे।

उनके अनुसार यह मामला तब प्रकाश में आया जब विजयपुरा जिले में लगभग 15,000 एकड़ भूमि पर दावा करने वाले सैकड़ों किसानों को नोटिस भेजे गए, आरोप है कि कर्नाटक के प्रत्येक जिले में लगभग 10,000 एकड़ भूमि पर वक्फ बोर्ड द्वारा गुप्त तरीके से दावा किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, इसके अतिरिक्त वक्फ बोर्ड मंदिरों, मठों और अन्य धार्मिक संगठनों की भूमि पर भी दावा कर रहा है। यह चौंकाने वाला है कि हिंदू समुदाय के शमशानों पर भी वक्फ बोर्ड द्वारा अपनी संपत्ति होने का दावा किया जा रहा है। सिंदगी में 13वीं शताब्दी के विरक्त मठ की 1.28 एकड़ भूमि, विजयपुरा में ऐतिहासिक सोमेश्वर मंदिर, कलबुर्गी में बीरादेवरा मंदिर और कर्नाटक में कई अन्य मंदिरों पर कथित तौर पर वक्फ बोर्ड दावा कर रहा है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री अशोक ने यह भी दावा किया कि वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई संपत्तियों को पंजीकृत करने के लिए किए जा रहे ये जल्दबाजी के प्रयास लोगों में असुरक्षा और डर का माहौल पैदा कर रहे हैं, जिससे हावेरी जिले में हिंसा भड़की है। उन्होंने पत्र में कहा, इन घटनाओं के मद्देनजर मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव को निर्देश दें कि वे जेपीसी की कार्यवाही पूरी होने तक वक्फ बोर्ड के लिए सभी भूमि पंजीकरण पर तुरंत रोक लगाए।

लोकायुक्त पुलिस ने मुडा मामले में पूछताछ के लिए कल मुख्यमंत्री को तलब किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। लोकायुक्त पुलिस ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में पूछताछ के लिए छह नवंबर को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। लोकायुक्त पुलिस ने 25 अक्टूबर को मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती से पूछताछ की थी, जो इस मामले में आरोपी हैं। लोकायुक्त के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''हमने उनसे (सिद्दरामय्या) बुधवार सुबह पेश होने के लिये कहा है।''

सिद्दरामय्या मुडा द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को 14 भूखंडों का आवंटन किए जाने में अनियमितता के आरोपों का सामना कर रहे हैं। यह आरोप लगाया गया है कि मैसूरु के एक पॉश इलाके में पार्वती को 14 ऐसे स्थल आवंटित किए गए थे, जिनका मूल्य उस भूमि की तुलना में अधिक है जिसे मुडा ने ''अधिग्रहित'' किया था। मुडा ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। विवादास्पद योजना के तहत एमयूडीए ने आवासीय परिसर बनाने के लिए भूखंड छोड़ने वालों को उनसे ली गई अविकसित भूमि के बदले में 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित की थी।

लोकायुक्त पुलिस ने 27 सितंबर को सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी, उनके करीबी रिश्तेदार मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू नाम के एक व्यक्ति और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। मल्लिकार्जुन स्वामी ने देवराजू से जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी।

कांग्रेस सरकार की गारंटी लोगों को सशक्त बना रही, इसलिए भाजपा इनके खिलाफ : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कांग्रेस सरकार की गारंटी योजनाओं का विरोध कर रही है, क्योंकि ये समाज के सभी वर्गों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाती हैं। सिद्दरामय्या ने कहा कि भाजपा चाहती है कि गरीब और कमजोर वर्ग के लोग वैसे ही बने रहें, ताकि वह उनका शोषण कर सके।

मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा गारंटी योजनाओं का विरोध करती है, क्योंकि सरकार गारंटी योजनाओं के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को आर्थिक और सामाजिक रूप से लाभ पहुंचा रही है। हम सामाजिक न्याय के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाना चाहते हैं, ताकि पिछड़े समुदाय मुख्यधारा में आ सकें। उन्होंने हुब्बली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, भाजपा नेता समानता नहीं चाहते, वे असमानता चाहते हैं और गरीब को गरीब ही रखना चाहते हैं। इसलिए हम उन्हें गरीब विरोधी कहते हैं। भाजपा गरीबों और कमजोर वर्ग के लोगों का शोषण करती है। जब आपको ताकत मिलती है, तो वे आपका शोषण कैसे कर सकते हैं? इसलिए भाजपा नहीं चाहती कि लोगों को आर्थिक और सामाजिक रूप से ताकत मिले। सिद्दरामय्या ने अपनी सरकार की योजनाओं को लेकर यह टिप्पणी ऐसे समय में की है, जब चुनावी वादों को लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस और भाजपा के नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। इससे पहले, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को शक्ति' योजना पर फिर से विचार करने का संकेत दिया था, जिसके तहत राज्य की सभी महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी जाती है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि कांग्रेस सरकार केंद्र से न्याय पाने के लिए लड़ाई लड़ रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 16वें वित्त आयोग ने हाल में कर्नाटक का दौरा किया था। उन्होंने कहा, हमने (कर्नाटक) 15वें वित्त आयोग से अन्याय का सामना किया है। हम (राज्य) हर साल 4.50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा कर देते हैं, हमें 55,000-65,000 करोड़ रुपये मिलते हैं। क्या यह सही है? सिद्दरामय्या ने दावा किया कि भाजपा का कोई नेता कर्नाटक के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ नहीं बोल रहा है।

शिवकुमार के खिलाफ जांच के लिए सीबीआई की सहमति वापस लेने संबंधी याचिका पर सुनवाई स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को दी गई सहमति वापस लेने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई सोमवार को चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सुनवाई तब स्थगित कर दी जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सीबीआई ने भी कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपील दायर की है।

शीर्ष अदालत भाजपा विधायक बसनगौड़ा आर पाटिल (यतनाल) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्होंने सहमति वापस लेने के खिलाफ उनकी याचिका को खारिज करने वाले 29 अगस्त के कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान मेहता

ने पीठ को सूचित किया कि सीबीआई की अपील अभी तक सूचीबद्ध नहीं हुई है, वहीं शिवकुमार की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार ने मामले में जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा।

शीर्ष अदालत ने 17 सितंबर को विधायक की याचिका पर शिवकुमार और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया था। राज्य सरकार ने शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले की जांच के लिए एजेंसी को दी गई सहमति वापस ले ली थी। कांग्रेस नीत सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर 29 अगस्त को उच्च न्यायालय ने कहा था कि यह विचार योग्य नहीं है।

अदालत ने 23 नवंबर, 2023 को राज्य सरकार के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी, जिसमें कथित 74.93 करोड़ रुपये के डीए मामले को जांच के लिए लोकायुक्त को भेजा गया था। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि शिवकुमार ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार में मंत्री रहते हुए 2013 से 2018 के बीच अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की।

बाद में, जब राज्य में भाजपा सत्ता में आई, तो उसकी सरकार ने शिवकुमार पर मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई को मंजूरी दे दी। सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली मौजूदा कर्नाटक सरकार ने 23 नवंबर, 2023 को शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच के लिए सीबीआई को सहमति देने के पिछली भाजपा सरकार के कदम को अवैध करार दिया था और इसे वापस लेने का फैसला किया था।

प्रचार

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को चन्नपटना के पास कोडंबल्ली में चन्नपटना उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार सीपी योगेश्वर के लिए प्रचार करते हुए।

जलते पटाखों के डिब्बे पर बैठ जाने से एक व्यक्ति की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु में दिवाली के अवसर पर कथित तौर पर दोस्तों के कहने पर जलते हुए पटाखों के डिब्बे पर बैठ जाने से 32 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शबरीश कथित तौर पर शराब के नशे में था और उसने अपने छह दोस्तों की चुनौती स्वीकार कर ली थी, जो (दोस्त) खुद भी नशे में थे। शर्त यह थी कि यदि वह पटाखे जलाते समय डिब्बे पर बैठ जाएगा, तो 31 अक्टूबर को कोणनकुंटे में एकत्र हुए छह लोगों का समूह उसे 'एक ऑटोरिक्शा' खरीद कर देगा।

पुलिस ने बताया कि पूरा घटनाक्रम कैमरे में रिकॉर्ड हो गया जिसे अब सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया जा रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि जोरदार विस्फोट होने से शबरीश जमीन पर गिर जाता है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शबरीश को अस्पताल ले जाया गया जहां शनिवार को चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया।

दो लोगों ने साइबर धोखाधड़ी में 95 लाख रुपये गंवाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के दो लोगों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि साइबर जालसाजों ने उन्हें कथित तौर दो शीर्ष कारोबारियों के फर्जी वीडियो दिखाकर बहकाया और उनसे 95 लाख रुपये ठग लिये। पुलिस ने बताया कि दोनों ही मामलों में, शिकायतकर्ताओं ने कथित वीडियो की प्रामाणिकता की जांच नहीं की और कुछ संदिग्ध लिंक पर क्लिक कर दिया। लिंक पर क्लिक करने के बाद उन्हें जालसाजों द्वारा लोगों को धोखा देने और उच्च मुनाफा देने के वादे वाली नकली वेबसाइट दिखाई दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, शिकायतकर्ताओं के अनुसार, इन सोशल मीडिया मंच में निवेश करने के बाद ही उन्हें आभास हुआ कि इंफोसिस के सह-संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के कथित वीडियो का इस्तेमाल उन्हें संदिग्ध लिंक पर क्लिक कराने के लिए किया गया और उन्होंने बिना किसी उचित जांच-पड़ताल के निवेश कर दिया। उन्हें एहसास हुआ कि जालसाज ऐसी हस्तियों के फर्जी वीडियो का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि पहले मामले में, बनशंकरी की एक निवासी ने एक ट्रेडिंग मंच को बढ़ावा देने वाला वीडियो देखा, जिसमें निवेश पर उच्च मुनाफे का वादा किया गया था। महिला के अनुसार, उसने कुछ संदिग्ध दिखने वाली वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर क्लिक किया और कथित मंच के साथ अपनी जानकारी साझा की। बाद में, उसे एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, जिसने कथित मंच से संबद्ध एक एजेंट होने का दावा करते हुए उसे उच्च मुनाफे का लालच देकर निवेश करने के लिए झांसे में ले लिया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में, उसने लगभग 1.4 लाख रुपये का निवेश कराया गया और शिकायतकर्ता को आठ हजार रुपये का मुनाफा प्राप्त हुआ और जब शिकायतकर्ता ने दूसरी बार 6.7 लाख रुपये का निवेश किया तो कोई मुनाफा नहीं मिला और उसने निवेश की गई राशि भी गंवा दी। पुलिस ने बताया कि इसी तरह वह एक अन्य मंच पर भी 67 लाख रुपये की ठगी का शिकार हुई। अधिकारी ने बताया कि दूसरे मामले में, एक सेवानिवृत्त कर्मचारी सोशल मीडिया मंच पर एक वीडियो देखकर ठगी का शिकार हुआ, जिसमें निवेश पर अधिक मुनाफे का वादा करने वाले एक ट्रेडिंग मंच के इस्तेमाल की बात कही गई थी।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने कथित जालसाजों द्वारा साझा किए गए दो अलग-अलग बैंक खातों में राशि अंतरित करने के बाद 19 लाख रुपये गंवा दिए लेकिन एक बार राशि अंतरित होने के बाद उन्हें कोई जवाब नहीं मिला।

फार्म हाउस में कॉलेज छात्र की हत्या, तीन गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके में एक फार्म हाउस में तीन लोगों द्वारा कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद 21 वर्षीय कॉलेज छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना 26 अक्टूबर को उस समय हुई, जब बी.कॉम (वाणिज्य स्नातक) का छात्र पुनीत अपने सात दोस्तों के साथ यहां के निकट चिक्केनहल्ली स्थित एक फार्म हाउस पर गया था। पुनित के दोस्तों में दो लड़कियां भी थीं। पुलिस ने बताया कि पास के होन्नापुरा इलाके से आरोपी रात में फार्म हाउस पहुंचे और पुनीत एवं उसके दोस्तों के साथ दुर्व्यवहार करने लगे। उसने बताया कि उन्होंने स्विमिंग पूल में मौजूद उनकी महिला मित्रों का वीडियो भी बनाना शुरू कर दिया।

पुलिस ने बताया कि जब पुनीत ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्होंने उस पर लकड़ी के लट्ठे से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर पर चोट लग गई। उसने बताया कि पुनीत को अस्पताल ले जाया गया, जहां चार दिन बाद उसकी मौत हो गई। घटना के दौरान पुनीत के दोस्त को भी मामूली चोटें आई थीं।

उपचुनाव में दो विचारधाराओं के बीच जंग, कांग्रेस दर्ज करेगी जीत : सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोमवार को कहा कि राजस्थान में उपचुनाव दो विचारधाराओं के बीच है और उनकी पार्टी सभी सात सीट पर जीत दर्ज करेगी। पायलट, दौसा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारा किसी से कोई व्यक्तिगत झगड़ा नहीं है। ये चुनाव किसी एक जाति या दूसरी जाति का नहीं बल्कि विचारधारा का चुनाव है। यह उपचुनाव इस बात का साबित करेगा कि कौन दौसा की बेहतर सेवा कर सकता है।

उन्होंने बाद में संवाददाताओं से कहा, यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच का चुनाव है। केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने दस वर्ष में लोगों से जो विश्वासघात किया है उसे लोग देख रहे हैं। साल भर से उनकी सरकार ने यहां राजस्थान में हमारी (कांग्रेस) सरकार की सारी जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया। घोषणा पत्र में किये खुद के वादे वे (सत्तारूढ़ भाजपा) पूरे नहीं कर पा रहे हैं। पायलट ने कहा, जनता जवाब मांगेगी। जनता को जवाब मांगने का अवसर चुनाव के माध्यम मिलता है। इस चुनाव में एक संदेश जाएगा और भारी मतों से हम जीतेंगे। उन्होंने कहा कि सात सीट पर होने वाले उपचुनाव में हम अच्छा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और मुझे विश्वास है कि भारी मतों से जीतेंगे। राज्य की झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूम्बर और रामगढ़ सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को होगा जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी।

धर्म परिवर्तन के खिलाफ बिल लाएगी भजनलाल सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार धर्म बदलवाने और उसमें सहयोग करने वालों पर जेल और भारी जुर्माना करने की तैयारी है। कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि अगले विधानसभा सत्र में हम बिल ला रहे है। इस पर विचार चल रहा है। सभी पक्षों से इसकी राय भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई जोर जबरदस्ती, लोभ-लालच देकर, पैसा देकर धर्म परिवर्तन करवाए तो यह सरासर गलत है। इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। पटेल ने कहा कि हम उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों के धर्मांतरण विरोधी कानूनों का अध्ययन करवा रहे हैं। केंद्र में अटके बिल को हमने वापस ले लिया है और उसकी जगह नया बिल ला रहे हैं।

विधि विभाग धर्म परिवर्तन के खिलाफ बिल के ड्राफ्ट को फाइनल करने में जुटा है। पटेल के मुताबिक सरकार की ओर से उत्तराखंड और मध्यप्रदेश के धर्म परिवर्तन से जुड़े कानूनों की स्टडी की जा रही है। बिल पारित होने के बाद ऐसी गतिविधियों में शामिल संस्थाओं के रजिस्ट्रेशन खारिज करने के साथ कड़ी कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि साल 2006 और 2008 में धर्म स्वातंत्र्य बिल दो बार पास हुआ था, लेकिन तब केंद्र की यूपीए सरकार से इसे मंजूरी नहीं मिल पाई थी। ताजा बिल में धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2008 के कई प्रावधानों को भी शामिल किया जाएगा। 2008 के धर्म स्वातंत्र्य बिल में कलेक्टर की मंजूरी के बिना धर्म बदलने पर रोक थी।

सामूहिक धर्म परिवर्तन करने पर 3 से 10 साल तक की सजा और 50 हजार तक का जुर्माना है। जबरन धर्म परिवर्तन के पीड़ित को भी 5 लाख तक जुर्माना देने का प्रावधान। यह धर्म परिवर्तन करवाने वाले व्यक्ति, संस्था से वसूला जाएगा।

किसी महिला का धर्म परिवर्तन करके शादी की जाती है, तो शादी को पारिवारिक कोर्ट शून्य घोषित कर देगा। धर्म परिवर्तन के लिए व्यक्ति को 60 दिन के भीतर जिला मजिस्ट्रेट को एक डिक्लेरेशन देना होता है। अगर धर्म परिवर्तित व्यक्ति मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं हुआ और तय प्रक्रिया नहीं अपनाई, तो धर्म परिवर्तन अवैध माना जाएगा।

उत्तराखंड में धर्म परिवर्तन के खिलाफ 2018 से कानून बना हुआ है। 2022 में उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता संशोधन विधेयक पारित कर जबरन धर्म परिवर्तन पर 10 साल की सजा और 50 हजार तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया था। जानकारों का कहना है कि बीजेपी सरकार उत्तराखंड के कानून के कुछ प्रावधान, धर्म परिवर्तन के नियम को नए बिल में शामिल कर सकती है। उत्तराखंड में जबरन या लोभ लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाने पर एक से पांच साल तक की सजा का प्रावधान है। इसमें दो से ज्यादा लोगों का धर्म परिवर्तन करवाने को सामूहिक धर्म परिवर्तन माना जाता है।

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी सहित 14 नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जनहित में किए जा रहे कामों से प्रभावित होकर कई नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामने लगे हैं और सोमवार को कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी सहित 14 नेता भाजपा में शामिल हो गये। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नागौर और सवाईमाधोपुर के कांग्रेस के इन नेताओं को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर पार्टी का दुपट्टा पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। राठौड़ और प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा की मौजूदगी में नागौर की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नागौर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी ने सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पूर्व सदस्यों के साथ भाजपा परिवार की सदस्यता ग्रहण की।

इस दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं सरपंच राजाराम चौधरी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य लादूराम कुदण, यूथ कांग्रेस से मनमोहन चौधरी, विजेंद्र बसवाणा, पंचायत समिति सदस्य भोमसिंह गौड, तेजाराम चौधरी के साथ कार्यकर्ता दिनेश वैष्णव, श्रवण विश्नोई, सुखराम प्रजापत, अमृताराम जाजडा, आदुराम लेगा, काजी अतेशानुद्दीन तथा सवाईमाधोपुर से पार्षद असीम खां ने भाजपा में विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज आमजन भाजपा की रीति और नीति में विश्वास जता रहा है जबकि कांग्रेस पार्टी है जिसकी गलत नीतियों के चलते उसका मूल कार्यकर्ता पार्टी से दूर हो रहा है।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज में गलत धारणाएं फैलाने का काम कर रही है, इससे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मोह भंग हो रहा है वहीं भाजपा राष्ट्र प्रथम की नीति पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित वो पार्टी है जहां कार्यकर्ताओं का सम्मान परिवार के सदस्य के रूप में किया जाता है। ऐसे में कांग्रेस के मूल कार्यकर्ता भाजपा परिवार में शामिल हो रहे है। राठौड़ ने आह्वान करते हुए कहा कि जो भी किसी भी राजनीतिक दल में कुंठा महसूस कर रहा है वह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा परिवार में शामिल हो सकता है। भाजपा में सबका सम्मान किया जाएगा।

समाज के उत्थान के लिए शिक्षा बहुत जरूरी : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कुमावत समाज सेवा समिति -दांतारामगढ़ के तत्वावधान में 12 वां प्रतिभा सम्मान समारोह जिनियस मेगामाइंड स्कूल, पचार, दांतारामगढ़, सीकर में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य सरकार में पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत रहे। इस दौरान कुमावत स्मारिका का जोराराम कुमावत सहित आए हुए अतिथियों ने विमोचन किया। कार्यक्रम में पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि कुमावत समाज का सरकारी सेवा में प्रतिनिधित्व बहुत कम है, राजनीति और व्यापारिक क्षेत्र में भी समाज की भागीदारी कम है, इसके लिए समाज को शिक्षित होना बहुत जरूरी है ताकि समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़े। उन्होंने कहा की समाज हित में शिक्षा के क्षेत्र में अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए जिससे समाज शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक अग्रसर हो।

कार्यक्रम में समिति ने आर ए एस में फाइनल रूप से चयनित होने पर इक्यावन हजार रूपए तथा आई ए एस में फाइनल रूप से चयनित होने पर एक लाख रुपए का नगद पुरस्कार आगामी सम्मान समारोह में देने की घोषणा की। समारोह में कक्षा 10, 12 स्नातक, स्नातकोत्तर तथा उच्च शिक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें भविष्य में कुछ कर गुजरने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में आए समाज के उच्च पदों पर आसीन पदाधिकारियों आईएएस, आईपीएस, आरएएस, आरटीएस सहित अन्य वक्ताओं ने बच्चों को निरंतर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और उनका मार्ग दर्शन किया।

ग्रामीणों ने रणथंभौर बाघ अभयारण्य के पास एक बाघ को मार डाला

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में स्थित विख्यात रणथंभौर बाघ अभयारण्य के पास ग्रामीणों ने एक बाघ को मार डाला। एक अधिकारी ने बताया कि इस बाघ की पहचान 'टी-86' के रूप में हुई है। अधिकारी के अनुसार अभयारण्य के पास उलियाना गांव में ग्रामीणों ने 12 वर्षीय इस बाघ को इस संदेह में मार डाला कि यह वही जानवर है जिसने 51 वर्षीय व्यक्ति का शिकार किया था। अधिकारी ने बताया कि रविवार दोपहर उलियाना में एक मृत बाघ मिला जिसके शरीर पर हमले के निशान थे।

रणथंभौर बाघ अभयारण्य (आरटीआर) के क्षेत्रीय डायरेक्टर अनूप के.आर. ने कहा, फिलहाल बाघ का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। एक अन्य वन अधिकारी ने कहा कि 'टी-86' के चेहरे पर चोट के निशान बताते हैं कि उस पर कुल्हाड़ी जैसी धारदार चीज से हमला किया गया और पत्थर फेंके गए। उन्होंने बताया कि एक पुराने घाव से संकेत मिलता है कि संभवत: वह किसी अन्य बाघ के साथ लड़ाई में घायल हुआ होगा। उन्होंने कहा कि करीब 20 से अधिक ग्रामीणों ने रविवार दोपहर 'टी-86' पर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि बाघ बूढ़ा था और दूसरे बाघ के साथ संघर्ष में घायल हो गया था और वन विभाग की निगरानी में था। उन्होंने बताया कि मृत बाघ उसी स्थान पर मिला जहां एक दिन पहले 51 वर्षीय भरतलाल का शव मिला था।

बैंक का फील्ड ऑफिसर रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने सोमवार को बूंदी में स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआई) के एक फील्ड ऑफिसर को 20 हजार रुपये की कथित तौर पर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ब्यूरो के महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया टीम ने आरोपी ललित कुमार पाराशर को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज कराई गयी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके पिता के नाम कृषि भूमि पर किसान समृद्धि ऋण स्वीकृत करने की एवज में आरोपी फील्ड ऑफिसर ललित कुमार 20 हजार रूपये रिश्वत मांग कर उन्हें परेशान कर रहा था। ब्यूरो की टीम ने शिकायत का सत्यापन कर सोमवार को आरोपी को शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने मुस्लिमों की भलाई के लिए उठाए कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य इन दिनों अपनी कार्यशैली के लिए विवादों में घिरे हुए हैं। हालांकि, उन्हें एक हिंदू नेता और मुस्लिमों के खिलाफ मानने वालों की कमी नहीं है। लेकिन अगर हम उनके कार्यों पर ध्यान दें, तो यह स्पष्ट होता है कि विधायक महोदय वास्तव में मुस्लिमों की भलाई के लिए भी काम कर रहे हैं। यह एक नजरिए का मामला है।

उनका पहला कदम था खुले में और बिना लाइसेंस के मीट बिक्री के खिलाफ हंगामा करना। इस कार्रवाई ने आलोचनाओं को आमंत्रित किया, लेकिन इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए। अब इलाके के लोगों को साफ-सुथरा खाना मिल रहा है, क्योंकि दुकानदार अब सामग्री को ढककर रखने लगे हैं। यह कदम न केवल खाने की गुणवत्ता को सुधारने में मददगार साबित हुआ है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी रहा है। विधायक का सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ उठाया गया मुद्दा भी मुस्लिम इलाकों में राहत का कारण बना है। अब सड़कों की चौड़ाई बढ़ गई है और ट्रैफिक में सुधार हुआ है। इससे क्षेत्र के लोगों को यात्रा करने में सुविधा हो रही है, जो किसी भी समुदाय के लिए लाभकारी है।

इसी प्रकार, मुस्लिम बाहुल्य बस्तियों में मंदिरों की सफाई का काम भी लोगों के लिए एक सकारात्मक पहल है। यह न केवल गंदगी को कम करने में मदद करता है, बल्कि लोगों को अपने धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई रखने के लिए प्रेरित भी करता है। इसके अलावा, विधायक बालमुकुंद आचार्य द्वारा उठाए गए मुद्दे जैसे जमीनों के कागजात और आधार के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास भी मुस्लिम समुदाय के लिए फायदेमंद हो रहा है।

अब मुस्लिम समुदाय अधिक ध्यान से अपने कागजात बनवाने के प्रति सचेत हो रहा है। हालांकि, बालमुकुंद आचार्य के ये कदम जनता की भलाई के लिए हैं, लेकिन उनकी कार्यशैली से उनकी कट्टरवादी छवि भी सामने आती है। ऐसा प्रतीत होता है कि वे हिंदू सम्राट की छवि में उभरने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा सरकार के लिए बड़ी 'अग्नि परीक्षा' है सात सीटों पर होने वाला उपचुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा की सात सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव लगभग एक साल पहले प्रदेश में बनी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के लिए बड़ी 'अग्निपरीक्षा' होंगे। प्रदेश की भाजपा सरकार पिछले साल दिसंबर में सत्ता में आई थी। हालांकि, सत्ता में आने के एक महीने बाद ही भाजपा को करणपुर विधानसभा सीट पर हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद पार्टी को एक और झटका लोकसभा चुनाव में लगा जब राज्य की 25 लोकसभा सीटों में से उसे 11 पर हार का सामना करना पड़ा। 2014 के लोकसभा चुनावों में ये सभी सीटें भाजपा के पास थीं।

लोकसभा चुनाव के परिणामों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'कार्य प्रदर्शन' पर सवालिया निशान लगा दिया जो पहली बार विधायक बने हैं और जिन्हें पार्टी आलाकमान ने वसुंधरा राजे, गजेंद्र सिंह शेखावत, दीया कुमारी और किरोड़ी लाल मीणा जैसे दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर मुख्यमंत्री बनाया था। राज्य में सात सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिये 13 नवंबर को मतदान होगा और परिणाम 23 नवंबर को आएंगे। इन उपचुनाव को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के लिए भी पहली परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है जिन्होंने जून में लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद राज्य में पार्टी की कमान संभाली थी।

राज्य की झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूम्बर और रामगढ़ सीट के लिए उपचुनाव हो रहा है। इनमें से चार कांग्रेस के पास थीं जबकि भाजपा, भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के पास एक-एक सीट थी। उपचुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

इन सीटों के लिए चुनाव प्रचार धीरे धीरे जोर पकड़ रहा है। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री शर्मा और दूसरे पार्टी नेताओं ने कई रैलियों को संबोधित करते हुए राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा किए गए काम की चर्चा की और कांग्रेस पर निशाना साधा। खींवसर में एक रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के 10 महीने के भीतर अपने 50 प्रतिशत चुनावी वादे पूरे कर दिए हैं।

उन्होंने कहा, कांग्रेस लूट और झूठ की पार्टी है। इसने अपने किसी भी चुनावी वादे को पूरा नहीं किया, जबकि हमने महज 10 महीने में चुनाव घोषणापत्र में किए गए 50 फीसदी वादों को पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि बाकी वादों को भी पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पेपर लीक माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की और 200 से अधिक आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार किसानों के हित में काम कर रही है और पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) और यमुना जल समझौते के संबंध में ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राठौड़ ने दावा किया है कि उपचुनाव में भाजपा सभी सात सीटों पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने रविवार को चूरू के सालासर बालाजी के दौरे के दौरान कहा, 'उपचुनाव में भाजपा की सभी सातों सीटों पर जीत से जहां सरकार को ओर अधिक मजबूती मिलेगी, वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ताओं के उत्साह में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिलेगी।'

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रीति और नीति में देश का युवा विश्वास जता रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से देश की आंतरिक और ब्राह्य सुरक्षा को मजबूत करने का काम किया है, उसी प्रकार वैश्विक पटल पर भी राष्ट्र का मान बढ़ाया है। दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राज्य के लोग भाजपा से तंग आ चुके हैं और राज्य में सत्ता के कई केंद्र हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा द्वारा इस्तीफे के बाद पिछले तीन महीने से मुख्यमंत्री एवं मीणा के बीच संवाद नहीं है। हालांकि, भाजपा द्वारा मीणा के भाई को दौसा से टिकट दिए जाने के बाद मीणा, मुख्यमंत्री शर्मा के साथ भरत मिलाप कर रहे थे। पूर्वी राजस्थान में भाजपा के लोकसभा सीटों पर हार के बाद मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, उनका इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। डोटासरा ने कहा, भाजपा को बिजली, पानी, किसानों को खाद उपलब्ध कराने और लोगों के लिए सड़कें बनाने की चिंता नहीं है। उसे केवल अपने स्वार्थों को पूरा करने की चिंता है। उन्होंने कहा, आज भाजपा सरकार ईआरसीपी की बात कर रही है, जबकि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री के वादे के बावजूद इस परियोजना को पांच साल तक लटकाए रखा। उस समय कांग्रेस सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करके इस परियोजना पर काम करवाया था। डोटासरा ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस उपचुनाव वाली सभी सात सीटों पर जीत दर्ज करेगी। राजस्थान में दो विधायकों के निधन और पांच के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद सात सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। राज्य की 200 सीटों वाली विधानसभा में इस समय भारतीय जनता पार्टी के 114, कांग्रेस के 65, भारत आदिवासी पार्टी के तीन, बहुजन समाज पार्टी के दो और राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक है।

पुलिस और गौ तस्करों के बीच मुठभेड़, 70 से अधिक गोवंशीय पशु मुक्त कराए

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में पुलिस ने 70 से अधिक गोवंशीय पशुओं को तस्करों से मुक्त कराकर विभिन्न गोशालाओं में पहुंचाया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जिला पुलिस की विशेष त्वरित प्रतिक्रिया बल (क्यूआरटी) टीम ने रविवार देर रात गौ तस्करी की सूचना पर एक ट्रक को रोकने की कोशिश की लेकिन आरोपियों ने पुलिस पर गोलियां चलाईं। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने जवाब कार्रवाई करते हुए गोलीबारी की।

संत रामभद्राचार्य के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोपी गिरफ्तार

सोनभद्र/भाषा। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में पुलिस ने प्रसिद्ध संत रामभद्राचार्य के खिलाफ फेसबुक पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के बहुअरा गांव के रहने वाले सुनील कुमार मौर्य (35) के रूप में हुई है। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सत्येंद्र राय ने बताया कि रविवार को इस मामले में उप निरीक्षक ब्रजेश पांडेय की शिकायत के आधार पर आरोपी सुनील कुमार मौर्य के खिलाफ हिंदू धर्म एवं संत रामभद्राचार्य के अनुयायियों की भावनाओं को आहत करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353(2) (लोक शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज किया गया।

उपचुनाव की तारीख बढ़ाने पर अखिलेश ने कसा तंज कहा, टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे'

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तारीख आगे बढ़ाने को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि 'टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में बताया कि केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव की तारीख त्योहारों के कारण 13 नवंबर से बढ़ाकर 20 नवंबर कर दी गई है।

यादव ने उपचुनाव की तारीख बढ़ाए जाने को लेकर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे! उन्होंने पोस्ट में कहा, पहले मिल्कीपुर का उपचुनाव टाला, अब बाकी सीट के उपचुनाव की तारीख, भाजपा इतनी कमजोर कभी न थी। यादव ने कहा,दरअसल बात ये है कि सूबे में 'महा-बेरोजगारी' की वजह से जो लोग पूरे देश में काम-रोजगार के लिए जाते हैं, वे दिवाली और छठ की छुट्टी लेकर उत्तर प्रदेश आए हुए हैं और उपचुनाव में भाजपा को हराने के लिए वोट डालने वाले थे। सपा प्रमुख ने कहा कि जैसे ही भाजपा को इसकी भनक लगी, उसने उपचुनावों को आगे खिसका दिया ताकि लोगों की छुट्टी खत्म हो जाए और वे बिना वोट डाले ही वापस चले जाएं।

उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश का प्रवाह बढ़ाने के लिए नीति में संशोधन को मंजूरी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में विदेशी निवेश का प्रवाह बढ़ाने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) एवं फॉर्च्यून-500 कंपनियों के निवेश से जुड़ी प्रोत्साहन नीति-2023 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। सोमवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद बैठक में इस संशोधन के माध्यम से प्रदेश सरकार ने विदेशी निवेशकों को बड़ी राहत दी है। इसके माध्यम से अब ऐसी विदेशी कंपनियां भी प्रदेश में निवेश कर सकेंगी जो इक्विटी के साथ-साथ कर्ज या किसी अन्य स्रोत से धन की व्यवस्था करती हैं। प्रदेश सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में विदेशी निवेश के बढ़ने की संभावना है। एक बयान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद के फैसलों की जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि एक नवंबर, 2023 को एफडीआई की नीति आई थी, जिसमें थोड़ा संशोधन किया गया है।

बिहार के सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अजगैबीनाथ धाम रखा जाएगा : उपमुख्यमंत्री

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को घोषणा की कि भागलपुर जिले के सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर हिंदू तीर्थस्थल अजगैबीनाथ धाम के नाम पर रखा जाएगा। पटना में आयोजित समारोह में चौधरी ने कहा, भागलपुर जिले के सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन का नाम जल्द ही हिंदू तीर्थस्थल अजगैबीनाथ धाम के नाम पर रखा जाएगा। इस संबंध में संबंधित नगर परिषद द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया है और इसे जल्द रेलवे स्टेशन का नाम बदलने के लिए सक्षम प्राधिकरण को भेजा जाएगा। सुल्तानगंज स्थित अजगैबीनाथ मंदिर भगवान शिव का एक प्राचीन मंदिर है। मंदिर के प्रांगण में पत्थरों पर बेहतरीन नक्काशी और शिलालेख हैं।

कनाड़ा के हिंदू मंदिर में हिंसा के बाद भाजपा ने 'सख्त कदम' का भरोसा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कनाडा के एक मंदिर में हुए हमले पर सोमवार को कहा कि जब भी हिंदुओं के उत्पीड़न या उनके अधिकारों के हनन की बात आती है, तो पार्टी और उसकी सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों की रविवार को ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में लोगों के साथ झड़प हुई, जिसके बाद ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने एक कड़ा बयान जारी कर 'भारत विरोधी' तत्वों द्वारा किए गए हमले की निंदा की।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में इस घटना के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम सभी ने देखा है कि भारत ने कनाडा को कितना कड़ा और स्पष्ट जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जब भी

हिंदुओं के उत्पीड़न या उनके अधिकारों के हनन की बात आती है तो भाजपा और उसकी सरकार 'सख्त कदम' उठाती है।

भाटिया ने कहा, मुझे लगता है कि इस मामले का संज्ञान लेते हुए भारत अपना रुख बहुत दृढ़ता से रखेगा और जो भी जरूरी कदम हो वह उठाएगा। 'केनैडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' की रिपोर्ट के अनुसार, पील क्षेत्रीय पुलिस ने रविवार को बताया कि ब्रैम्पटन के एक मंदिर के बाहर विरोध प्रदर्शन हुआ था और सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के कुछ अपुष्ट वीडियो में प्रदर्शनकारी खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े नजर आए। रिपोर्ट में कहा गया कि वीडियो में लोग एक-दूसरे पर घूंसे बरसाते और एक-दूसरे पर डंडों से हमला करते नजर आए। यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है।

इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर 'बेहद चिंतित' है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम ओंटारियो के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में कल चरमपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करते हैं। बयान में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के हवाले से कहा गया, हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने की अपील करते हैं कि सभी धार्मिक स्थल इस तरह के हमलों से सुरक्षित हों। उन्होंने कहा, हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में शामिल लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा। हम कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील का इस्पात संयंत्र ओडिशा से बाहर नहीं जा रहा : मंत्री

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के उद्योग मंत्री सम्पद स्वैन ने आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील (एएम एनएस) के प्रस्तावित संयंत्र को राज्य से बाहर ले जाए जाने से जुड़ी चर्चाओं को सोमवार को खारिज कर दिया। स्वैन ने कहा कि विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) इस तरह की खबरें फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। स्वैन ने कहा, आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील के ओडिशा से हटने की कोई संभावना नहीं है। हमने दो समीक्षा बैठकें की हैं, जिसमें कंपनी ने परियोजना में रुचि दिखाई है। लगभग 200 कंपनी अधिकारी ओडिशा परियोजना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एएम/एनएस आगामी परियोजना से जोड़ने के लिए केंद्रपाड़ा जिले के 60 डिप्लोमा इंजीनियरों को कौशल प्रशिक्षण भी दे रही है।

उद्योग मंत्री ने कहा, एएम/एनएस एक बड़ी इस्पात कंपनी है और दुनियाभर में उनके करीब 50 इस्पात संयंत्र हैं। किसी राज्य में एक और परियोजना लगाने की उनकी योजना का मतलब यह नहीं है कि वे यहां से हट रहे हैं।

भारत रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है, लेकिन घरेलू खरीदारों को कोई राहत नहीं : टीएमसी सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद साकेत गोखले ने सोमवार को कहा कि रूस से 'सस्ता' तेल खरीदने से भारतीय तेल कंपनियों को भारी मुनाफा हुआ है, लेकिन इसका फायदा लोगों को नहीं मिल रहा क्योंकि देश में ईंधन की कीमतें अभी भी 'आसमान छू' रही हैं।

टीएमसी के राज्यसभा सदस्य गोखले ने पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार को बताना चाहिए कि रूस से खरीदे जा रहे सस्ते तेल का फायदा आम लोगों तक क्यों नहीं पहुंच रहा है। गोखले ने कहा, भारत में ईंधन की कीमतों के पीछे बेहद शर्मनाक सच्चाई। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों ने उस पर प्रतिबंध लगा दिए थे। नतीजतन, रूस को प्रतिबंधों के अनुसार 60 डॉलर प्रति बैरल से कम की दर पर कच्चा तेल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, भारत रूसी तेल का दुनिया का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा है। पिछले 2.5 वर्षों से भारत रूसी तेल 25% की छूट पर खरीद रहा है – बाजार मूल्य से 50% कम, लेकिन इससे किसे फायदा हुआ है? गोखले ने कहा कि भारत अब यूरोप को रिफाइन पेट्रोलियम का सबसे बड़ा निर्यातक है। टीएमसी सांसद गोखले ने कहा, मूलतः, हम रूसी तेल का शोधन' (लॉन्ड्रिंग) कर रहे हैं। चूंकि यूरोप सीधे रूस से तेल नहीं खरीद सकता, इसलिए हम रूसी तेल आयात करते हैं, उसे पेट्रोल और डीजल में रिफाइन करते हैं और यूरोप को बेचते हैं। उन्होंने कहा, इससे भारतीय निजी पेट्रोलियम कंपनियों को भारी मुनाफा हुआ है – जिनके मालिक मोदी के बेहद करीबी कॉरपोरेट हैं। हालांकि, तेल के 25-50% सस्ती दर पर आयात करने के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब-करीब कोई बदलाव नहीं हुआ है।

उच्चतम न्यायालय बिहार में पुल ढहने की घटनाओं से संबंधित याचिका को सूचीबद्ध करने पर करेगा विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर विचार करने की सहमति व्यक्त की, जिसमें बिहार में हाल के महीनों में कई पुलों के ढह जाने के बाद उनकी सुरक्षा और उनके स्थायित्व को लेकर चिंता जतायी गई है।

भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इस साल 29 जुलाई को जनहित याचिका पर बिहार सरकार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एवं अन्य संबंधित निकायों से जवाब मांगा था। सोमवार को याचिकाकर्ता के वकील ब्रजेश सिंह ने सुनवाई के लिए इस अर्जी का उल्लेख किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं इस पर गौर करूंगा।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने जानना चाहा कि क्या इस संबंध में उनके कार्यालय को एक ई-मेल भेजा गया है। इस जनहित याचिका में संरचनात्मक ऑडिट करने तथा एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, जो अपने निष्कर्षों के आधार पर उन पुलों की पहचान करेगी जिन्हें या तो मजबूत किया जा सकता है या ध्वस्त किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने बिहार सरकार एवं एनएचएआई के अलावा सड़क निर्माण विभाग के अवर मुख्य सचिव, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष और ग्रामीण कार्य विभाग के अवर मुख्य सचिव को भी नोटिस जारी किया है। इस साल मई, जून और जुलाई के दौरान बिहार के सिवान, सारण, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चंपारण और किशनगंज जिलों में पुल ढहने की दस घटनाएं सामने आईं। कई लोगों का दावा है कि भारी बारिश के कारण ये घटनाएं हुईं।

जनहित याचिका में मानसून के दौरान बिहार में आमतौर पर भारी वर्षा होने और बाढ़ आने के मद्देनजर पुलों की सुरक्षा एवं उनके स्थायित्व को लेकर चिंता प्रकट की गई है। याचिका में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के अलावा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार पुलों की वास्तविक समय पर निगरानी की मांग भी की गई है।

गणपति पूजा पर प्रधानमंत्री के मेरे घर आने में कुछ भी गलत नहीं : चंद्रचूड़

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को कहा कि गणपित पूजा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उनके घर आने में कुछ भी गलत नहीं था और ऐसे मुद्दों पर राजनीतिक हल्कों में परिपक्वता की भावना की जरूरत है। चंद्रचूड़ ने कहा, प्रधानमंत्री गणपति पूजा के लिए मेरे घर आए। इसमें कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि सामाजिक स्तर पर न्यायपालिका और कार्यपालिका से जुड़े व्यक्तियों के बीच निरंतर बैठकें होती हैं। हम राष्ट्रपति भवन में, गणतंत्र दिवस आदि पर मिलते हैं। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री और मंत्रियों से बात करते हैं। बातचीत के दौरान उन मामलों पर बात नहीं होती, जिनपर हमें फैसला लेना होता है बल्कि सामान्य रूप से जीवन और समाज से जुड़े मामलों पर बात होती है।

सीजेआई ने कहा कि इस बात का सम्मान किया जाना चाहिए था कि एक मजबूत अंतर-संस्थागत तंत्र के तहत बातचीत हुई। न्यायपालिका व कार्यपालिका के बीच शक्तियों के वर्गीकरण का मतलब यह नहीं है कि दोनों की मुलाकात नहीं होनी चाहिए। सीजेआई ने कहा था कि उन्होंने अयोध्या राम मंदिर विवाद के समाधान के लिए भगवान से प्रार्थना की थी। इस बयान के बारे में पूछे जाने पर चंद्रचूड़ ने कहा कि वह एक आस्थावान व्यक्ति हैं और सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करते हैं।

नागर विमानन क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं महिलाएं : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि देश के नागर विमानन क्षेत्र में महिलाएं परिचालन तथा तकनीकी क्षेत्रों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम कर रही हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यहां राष्ट्रपति भवन में भारतीय विमानन क्षेत्र की महिलाओं के एक समूह के साथ बातचीत में मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि विमानन उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर पेश करना भी आवश्यक है। बयान के अनुसार, मुर्मू ने कहा कि शिक्षा तथा उचित प्रशिक्षण के अलावा परिवार के सदस्यों का सहयोग भी जरूरी है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, अक्सर देखा जाता है कि कई महिलाएं उच्च शिक्षा हासिल करने के बावजूद परिवार से सहयोग न मिलने के कारण अपने सपने पूरे नहीं कर पाती हैं। राष्ट्रपति ने क्षेत्र में सफलता हासिल कर चुकीं महिलाओं से आग्रह किया कि वे अन्य महिलाओं के लिए मार्गदर्शक बनें तथा उन्हें अपना करियर चुनने व अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करें। मुर्मू ने कहा कि भारत के नागर विमानन क्षेत्र में महिलाएं परिचालन तथा तकनीकी क्षेत्रों में विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुर्मू ने कहा, 15 प्रतिशत हवाई यातायात नियंत्रक महिलाएं हैं, 11 प्रतिशत 'फ्लाइट डिस्पैचर' महिलाएं हैं और नौ प्रतिशत एयरोस्पेस इंजीनियर महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल वाणिज्यिक लाइसेंस हासिल करने वाले पायलट में से 18 प्रतिशत महिलाएं थीं। राष्ट्रपति ने सफलता हासिल करने वाली उन महिलाओं की सराहना की जो लीक से हटकर सोचती हैं और नए रास्ते पर चलने का साहस रखती हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार के समावेशी प्रयासों से नागर विमानन क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा मिला है। मुर्मू ने कहा, अधिकतर महिलाएं अब विमानन क्षेत्र में अपना करियर बना रही हैं।

निर्वाचन आयोग ने उप्र एवं पंजाब में 13, केरल में एक सीट पर उपचुनावों की तारीख बदल 20 नवंबर की

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश और पंजाब की क्रमश: सभी नौ एवं चार सीट और केरल की एक सीट के लिए विधानसभा उपचुनावों की तारीख त्योहारों के मद्देनजर सोमवार को 13 नवंबर से बदलकर 20 नवंबर कर दी। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। केरल में पलक्कड़ विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की तारीख पुनर्निर्धारित की गई है, जबकि चेलक्कारा विधानसभा और वायनाड लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव पूर्व निर्धारित तिथि यानी 13 नवंबर को होंगे।

कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) सहित कई दलों ने विभिन्न त्योहारों के मद्देनजर आयोग से चुनावों की तारीख पुनर्निर्धारित करने का आग्रह करते हुए कहा था कि 13 नवंबर को चुनाव कराने से मतदान प्रतिशत पर असर पड़ सकता है। कांग्रेस ने कहा था कि केरल की पलक्कड़ विधानसभा सीट पर बड़ी संख्या में मतदाता 13 से 15 नवंबर तक कल्पती रथोत्सवम का त्योहार मनाएंगे।

खरगे ने प्रधानमंत्री को आम जनता के वास्तविक मुद्दों पर बोलने की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर नीतियों के माध्यम से आर्थिक उथल-पुथल पैदा करने तथा फर्जी विमर्श गढ़ने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें विपक्ष के खिलाफ ''झूठ बोलने'' के बजाय अपनी भविष्य की चुनावी रैलियों में आम लोगों के सामने खड़े वास्तविक मुद्दों के बारे में बोलना चाहिए।

खरगे ने यह दावा भी किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जनविरोधी नीतियां भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही हैं। खरगे ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी जी, फर्जी विमर्श वास्तविक कल्याण का विकल्प नहीं हो सकते। आपने जो आर्थिक उथल-पुथल पैदा की है...यहां तक कि त्योहारी खुशियां भी कम खपत, उच्च मुद्रास्फीति, बढ़ती असमानता, कम निवेश और

वेतन स्थिरता से जूझ रही भारत की अर्थव्यवस्था का उत्साह नहीं बढ़ा सकीं। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार गरीबों और मध्यम वर्ग पर कमरतोड़ महंगाई थोपकर और बिना सोचे-समझे कराधान के माध्यम से उनकी बचत को खत्म करके एक बड़ा झटका दे रही है।

खरगे ने दावा किया, खाद्य मुद्रास्फीति 9.2 प्रतिशत पर है। सब्जियों की मुद्रास्फीति अगस्त में 10.7 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर 2024 में 14 महीने के उच्चतम 36 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह सच है कि एफएमसीजी सेक्टर की मांग में भारी गिरावट देखी गई है, बिक्री में वृद्धि एक साल में 10.1 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 2.8 प्रतिशत रह गई है। आपके ही वित्त मंत्रालय की मासिक रिपोर्ट यह बताती है।

रणजी ट्रॉफी के वर्तमान सत्र के बाद क्रिकेट को अलविदा कह देंगे रिद्धिमान साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की तरफ से 40 टेस्ट मैच खेलने वाले अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने घोषणा की है कि रणजी ट्रॉफी के वर्तमान सत्र के बाद वह क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे।

बंगाल के इस 40 वर्षीय विकेटकीपर ने 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के

बाद 40 टेस्ट के अलावा नौ एकदिवसीय मैच में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। साहा ने पिछले तीन साल से भी अधिक समय से राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलने का मौका नहीं मिलने के बाद क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया। साहा ने पोस्ट में कहा, क्रिकेट में शानदार सफर के बाद यह मेरा आखिरी सत्र होगा। मैं आखिरी बार बंगाल का प्रतिनिधित्व करने और संन्यास लेने से पहले केवल रणजी ट्रॉफी में खेलने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा, आइए इस सत्र को यादगार बनाएं। साहा के पास धोनी जैसी आभा या पंत जैसा बेफिक्र अंदाज नहीं था लेकिन विकेटकीपिंग से उन्होंने भारतीय क्रिकेट में लिए विशेष जगह बनाई।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शमी की वापसी टली, कर्नाटक और मप्र के खिलाफ रणजी नहीं खेलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। मोहम्मद शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी में विलंब होगा क्योंकि इस अनुभवी तेज गेंदबाज को कर्नाटक और मध्य प्रदेश के खिलाफ होने वाले अगले दो दौर के रणजी ट्रॉफी मुकाबलों के लिए बंगाल की टीम में शामिल नहीं किया गया है। बंगाल बुधवार से यहां चिन्नास्वाममी स्टेडियम में कर्नाटक से भिड़ेगा जबकि 13 नवंबर से इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेलेगा।

शमी से कर्नाटक के खिलाफ मैच में खेलने की उम्मीद थी जिससे कि वह वास्तविक मैच की स्थिति में अपनी फिटनेस का परीक्षण कर सकें। उन्होंने हाल में यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के टेस्ट मैच के बाद नेट पर पूरी ताकत से गेंदबाजी की थी, हालांकि इस दौरान उनके पैर पर पट्टी बंधी हुई थी।

उस दौरान भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल उन पर नजर रखे हुए थे। बाद में शमी ने एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा था कि वह नेट पर शत प्रतिशत फिट महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा था, मैं आधे रन अप के साथ गेंदबाजी कर रहा था क्योंकि मैं अपने शरीर पर बहुत अधिक दबाव नहीं डाल सकता। इसलिए हमने फैसला किया कि मैं उचित तरीके से गेंदबाजी करूंगा और मैंने अपना शत प्रतिशत दिया। शमी ने कहा, इससे बहुत अच्छा लगा और परिणाम अच्छे हैं। उम्मीद है कि मैं जल्द ही वापसी करूंगा। शमी के अलावा बंगाल को सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन, विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की भी कमी खलेगी जो ऑस्ट्रेलिया में भारत ए टीम के साथ हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा रहे तेज गेंदबाज आकाश दीप को भी टीम में नहीं चुना गया। हालांकि मौजूदा घरेलू सत्र के बाद क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा को दो मैच के लिए चुना गया है।

टीम इस प्रकार है: अनुस्तुप मजूमदार (कप्तान), रिद्धिमान साहा, सुदीप चटर्जी, सुदीप घरामी, शाहबाज अहमद, रितिक चटर्जी, एविलिन घोष, शुवम डे, शाकिर हबीब गांधी, प्रदीप्त प्रमाणिक, आमिर गनी, इशान पोरेल, सूरज सिंधू जायसवाल, मोहम्मद कैफ, रोहित कुमार और ऋषव विवेक।

चक्रवात दाना से ओडिशा में 600 करोड़ रुपए की सार्वजनिक, निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाः मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने सोमवार को कहा कि शुरुआती आकलन के अनुसार भीषण चक्रवात 'दाना' से राज्य में करीब 600 करोड़ रुपए की सार्वजनिक और निजी संपत्ति का नुकसान हुआ है।

'दाना' तूफान 25 अक्टूबर की सुबह पूर्वी तट से टकराया था, जिससे मूसलाधार बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं, तथा पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। ओडिशा के 14 जिलों में इससे बुनियादी ढांचे और फसलों को भारी नुकसान पहुंचा। पुजारी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि शुरुआती अनुमान के मुताबिक, चक्रवात के कारण राज्य को 600 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि अंतिम क्षति आकलन रिपोर्ट एक या दो दिन में आ जाएगी।

मंत्री ने कहा कि 14 जिलों के कुल 166 ब्लॉक चक्रवात से आंशिक या पूर्ण रूप से प्रभावित हुए हैं।

सुविचार

खुद पर काबु रखना एक परिपक्व इंसान की निशानी है; वक्त से पहले खुद पर काबु खो देना अपरिपक्वता की पहचान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अधिकारों के लिए आवाज

बांग्लादेश में जिस तरह हजारों की तादाद में हिंदुओं ने अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन किया, वह बहुत जरूरी था। वास्तव में यह कुछ देर से उठाया गया कदम भी है। पड़ोसी देश के ये अल्पसंख्यक क्या मांग रहे हैं? क्या ये सरकारी नौकरी पाने के लिए आवाज उठा रहे हैं? क्या ये आरक्षण मांग रहे हैं? क्या ये सत्ता में भागीदारी चाहते हैं? क्या ये महंगाई से राहत चाहते हैं? क्या ये अपने लिए कोई खास सुविधा चाहते हैं? इन सभी सवालों का एक ही जवाब है- 'नहीं'। ये लोग इनमें से कुछ नहीं चाहते। ये तो बस ज़िंदा रहने का अधिकार चाहते हैं। ये चाहते हैं कि इन पर हमला न किया जाए, इन्हें सताया न जाए, इनका उत्पीड़न न किया जाए। बस, सुकून से ज़िंदा रहने दिया जाए! लगभग 30,000 हिंदू चटगांव में प्रदर्शन करने के लिए निकले तो सही! यह एकता स्वागत-योग्य है, लेकिन यहां तक पहुंचते-पहुंचते देर कर दी। अगर यही एकता कुछ साल पहले दिखा देते तो न आपकी दुकानें लूटी जातीं, न आपके घरों में तोड़फोड़ होती और न बहन-बेटियों के साथ अभद्र हरकतें होतीं। हाल के वर्षों में बांग्लादेशी कट्टरपंथियों ने जिस तरह दुर्गापूजा के अवसर पर रंग में भंग डालने की घटनाओं को अंजाम दिया, उन्हें टाला जा सकता था। कम-से-कम त्योहार तो शांति से मना पाते। बांग्लादेशी हिंदुओं के विषय में यह धारणा है कि ये अपने 'अधिकारों' के लिए खुलकर आवाज नहीं उठाते। हर कोई अपने व्यापार, नौकरी और कामकाज में व्यस्त रहता है। सामाजिक कार्यों के लिए इनके पास 'समय' नहीं होता है। जब कोई 'अप्रिय घटना' हो जाती है तो यह सोचकर मन को दिलासा देते हैं कि भविष्य में इसकी रोकथाम 'सरकार' जरूर करेगी। अवामी लीग के नेताओं ने हिंदू समाज से खूब वोट लिए। उनके नेता हंसते-मुस्कुराते फोटो खिंचवाते और चले जाते। आज अवामी लीग की दुर्दशा सबके सामने है। शेख हसीना को प्रधानमंत्री निवास से अपनी जान बचाने के लिए भारत आना पड़ा।

उसके बाद वहां अल्पसंख्यक बिल्कुल 'अकेले' और 'असहाय' थे। उन पर हमले हुए। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस कहते हैं कि हमलों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। शुक्र है, उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई थी! बांग्लादेश के घटनाक्रम और मौजूदा हालात से यह सबक मिलता है कि सामाजिक एकता बहुत जरूरी है। अपनी पढ़ाई और कमाई के लिए मेहनत करना अच्छी बात है। उसके साथ ही समाज को संगठित करने, एकजुट रखने के लिए समय देना होगा, संसाधन खर्च करने होंगे। 'मुझे क्या मतलब है' ... 'मुझे क्या मिलेगा' ... 'मेरा क्या जाता है' ... 'मुझे क्या नुकसान है' ... 'मैं ही क्यों करूं' ... 'जब मुझ पर आएगी, तब देखूंगा' ... की मानसिकता से ऊपर उठना होगा। बांग्लादेशी हिंदुओं को इस सवाल पर विचार करना होगा कि कभी आपकी आबादी 20 प्रतिशत से ज्यादा थी, वह 8 प्रतिशत से नीचे कैसे आ गई? वहां अल्पसंख्यकों के धर्मांतरण और उत्पीड़न की घटनाएं होती रहीं। इसके बावजूद सामाजिक स्तर पर संगठनों की क्या स्थिति थी? राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक अपनी बात कब-कब पहुंचाई और किन शब्दों में पहुंचाई? सवालों की सूची बहुत लंबी है। उनसे जुड़े तथ्यों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि बांग्लादेशी अल्पसंख्यक अपनी आवाज उठाने में बहुत पीछे रह गए। कभी सोचा है- गाजा, फिलिस्तीन जैसे मुद्दे इतनी जल्दी सुर्खियों में क्यों आ जाते हैं? दुनियाभर के लोग उन्हें समर्थन क्यों देते हैं? इसलिए, क्योंकि उनके पीछे प्रचार तंत्र बहुत मजबूत है। दुर्भाग्य से बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों ने अपने लिए ऐसा कोई तंत्र नहीं बनाया। वे दृढ़ता से संगठित नहीं हुए। उनकी आवाजें अनसुनी रहीं, जो कि होनी ही थीं। अब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके लिए आवाज उठाई तो पूरा सोशल मीडिया उनकी तारीफों के पुल बांधने लगा। ट्रंप भी इतने दिनों तक खामोश क्यों रहे? क्या उन्हें पता नहीं था कि दुनिया के नक्शे में बांग्लादेश कहां है? बांग्लादेशी अल्पसंख्यक इस बात का इंतजार न करें कि कोई नेता आए और वह उनके लिए आवाज उठाए। अपनी आवाज खुद उठाएं, संगठित होकर उठाएं। पहले, अपने मददगार खुद बनें। अगर आप अपने अधिकारों की बात नहीं करेंगे तो दुनिया में कोई क्यों करेगा?

ट्वीटर टॉक

आज भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजेन्द्र गुर्जर को जिताने के लिए पुर-ज़ोर अपील की। देवली-उनियारा के विकास की कड़ी से कड़ी जोड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार राजेन्द्र गुर्जर को भारी मतों से विजयी बनाये।

-दीया कुमारी

कोटा स्थित भामाशाह कृषि उपज मंडी में आयोजित मुहूर्त पूजा में सम्मिलित होकर प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी की पूजा अर्चना की और अन्नदाता किसानों की समृद्धि व खुशहाली की कामना की। व्यापारियों व किसान बंधुओं को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

-ओम बिरला

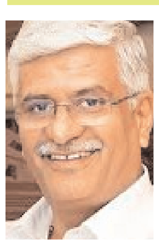

आज नागपुरी नृत्य के प्रख्यात कलाकार आदरणीय श्री मुकुंद नायक जी की कुशल-क्षेम जानने दिल्ली के मैक्स अस्पताल पहुँचा, जहां उनकी सर्जरी हुई है। उनके पुत्र श्री नंदलाल जी से मुलाक़ात हुई। मुकुंद जी पद्मश्री तथा संगीत नाटक अकादमी सम्मान से अलंकृत हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

जीवन का नजरिया

आदि शंकराचार्य अनूठी प्रतिभा संपन्न आध्यात्मिक विभूति थे। उन्होंने उपनिषदों का भाष्य किया और अनेक प्रेरणादायक पुस्तकों की रचना की। देशभर में भ्रमण कर वे अपने उपदेशों से लोगों को जीवन सफल बनाने की प्रेरणा दिया करते थे। हिमालय यात्रा के दौरान एक निराश गृहस्थ ने उनसे कहा, 'सांसारिक दुखों के कारण मैं आत्महत्या कर लेना चाहता हूं।' शंकराचार्य ने कहा, 'यह मानव जीवन असीम पुण्यों के कारण मिलता है। निराश होने के बजाय केवल अपनी दृष्टि बदल दो, दुःख व निराशा से मुक्ति मिल जाएगी।' उन्होंने आगे बताया, 'कामनाएं अशांति का मुख्य कारण हैं। कामनाओं को छोड़ते ही अधिकांश समस्याएं स्वतः हल हो जाएंगी। धर्मानुसार संयमित व सात्विक जीवन बिताने वाला कभी दुखी नहीं हो सकता। 'साधनपंचकम्' में उन्होंने लिखा भी है, 'सहनशीलता और शांति ऐसे गुण हैं, जो अनेक दुखों से दूर रखते हैं। इसके साथ ही गर्व व अहंकार का सदा परित्याग करना चाहिए। धन से कई बातों का भले ही समाधान होता है, किंतु उससे शांति की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।' उन्होंने कहा है कि काल किसी की प्रतीक्षा नहीं करता।

सामयिक

प्रकृति के साथ सामंजस्य और सम्मान का प्रतीक पर्व सूर्य षष्ठी

अशोक प्रवृद्ध

पौराणिक मान्यतानुसार संतान प्रदाता और रक्षक के रूप में पूजी जाने वाली माता षष्ठी देवी को भगवान ब्रह्मा की मानस पुत्री माना गया है। इन्हें माता कात्यायनी भी कहा गया है। नवरात्र के छठे दिन इनकी पूजार्चना की जाती है। एक अन्य मान्यतानुसार इन्हें सूर्यदेव की बहन भी माना गया है। इन माता षष्ठी देवी को ही पूर्वी उत्तरप्रदेश, बिहार व झारखण्ड में स्थानीय भाषा में छठ मैया कहा जाता है। और इनकी पूजा- अर्चना छठ मैया के रूप में सूर्य षष्ठी व्रत के समय प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी एवं चैत्र शुक्ल षष्ठी को विधि विधान से किया जाता है। सूर्य षष्ठी व्रत भगवान सूर्यदेव एवं छठ मैया के निमित्त मनाया जाने वाला बड़ा ही पुण्यफल प्रदाता पर्व माना जाता है। बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखण्ड सहित सम्पूर्ण भारत एवं विश्व के अनेक देशों में बड़े हर्षोल्लास के साथ इस व्रत के उपासक एवं सूर्यदेव की भक्ति करने वाले लोग इस पर्व को इस अवसर पर मनाते है। सूर्य एवं षष्ठी देवी से संबंध रखने के कारण इसे अतिप्राचीन एवं वैदिक पौराणिक व्रत माना जाता है। छठी मैया को सूर्य देवता की बहन होने की मान्यता होने के कारण छठ पूजा के दौरान छठी मैया के साथ-साथ सूर्य देवता को भी अर्घ्य दिया जाता है। सूर्यदेव की बहन छठ मैया की कृपा से भक्तों को सुख, समृद्धि और संतान की प्राप्ति होती है। छठी माता और इनकी पूजा के संबंध में विस्तृत वर्णन महाभारत, ब्रह्मवैवर्त पुराण, देवी भागवत पुराण, विष्णु पुराण, वेद, उपनिषद, सूर्याष्टक, शिव महापुराण, मत्स्य पुराण, वराह पुराण आदि ग्रंथों में अंकित हैं। मान्यतानुसार माता षष्ठी वनस्पतियों व प्रजनन की देवी हैं और प्रजनन व संतानोत्पति के समय सहायता करती हैं। निसंतान लोगों को संतान प्राप्ति में मदद करती हैं। इसीलिए वे संतान दाता और रक्षक के रूप में पूजी जाती हैं। माता षष्ठी को दक्षिण भारत के लोग देवी देवसेना कह कर पुकारते हैं। माता षष्ठी के इंद्रसूता, षष्टी, पुत्रदायनी, मोक्षदायनी, सुखदायनी, देवसेना, वरदायनी, षष्ठी, बालाधिष्ठात्री, छठी, षष्ठांशरूपाये, रौना माता, मैया और देवी आदि 108 नाम प्रचलित हैं। षष्ठी देवी को वंश, शक्ति, जीवनकाल, अर्घ्य, खुशी, आनंद, प्रेम, भक्ति, देवत्व, ईश्वर प्रेम, सौंदर्य, सद्भाव, आकर्षण, समय, ऋतुओं, जोड़ों, विवाह, दान, दंड, शक्ति, ऊर्जा, वैवाहिक सुख, निर्माण, संरक्षण, विनाश, प्रकृति, भ्रूण, गर्भावस्था, दीर्घायु, संतान, मातृत्व और प्रजनन की देवी, शिशुओं की संरक्षिका, महामारि, रोग, दोषों को दूर करने वाली देवी, आदिशक्ति,पराशक्ति, जगतमाता के रूप में जाना जाता है। इनका निवासस्थान स्कंद लोक, और मणिद्वीप, इंद्र लोक माना गया है।

छठ मैया का यह पर्व अति श्रद्धा एवं शुद्धता, धार्मिकता का अत्यंत कठिन अनुष्ठान एवं व्रत माना जाता है, जिसके के प्रभाव से व्यक्ति के जीवन मे आरोग्यता एवं यश कीर्ति आदि प्राप्त होते हैं। ऋग्वेद, विष्णु पुराण एवं रामायण, महाभारत आदि ग्रंथों में सभी कालों में सूर्यदेव की पूजा एवं उपासना के प्रसंग अंकित हैं। सूर्य देव पंच देव समूह में शामिल है। इसलिए किसी भी छोटी एवं बड़ी पूजा एवं हवन आदि कार्यों में सूर्य की पूजा बिना कार्यो की सफलता में संशय बना हुआ रहता है। इस व्रत का पालन सभी स्त्री एवं पुरूष करते हैं। क्योंकि सूर्य सभी की आत्मा है। उनके बिना इस प्रकृति का संतुलन बनाना असंभव है। इसलिए जल एवं ज्योति तथा हमारे प्राणों के कारण सूर्य की पूजा का बड़ा ही विशाल एवं महान पर्व है। छठ त्योहार को छठ पूजा, छठ पर्व, डाला छठ, डाला पूजा, सूर्य षष्ठी आदि नामों से जाना जाता है। इस त्योहार के अनुष्ठान नियम बहुत सख्त हैं, और चार दिनों की अवधि में मनाए जाते हैं। इस वर्ष 2024 में छठ पूजा अर्थात सूर्य षष्ठी का पर्व 5 नवम्बर से 8 नवम्बर तक मनाया जाएगा। 5 नवम्बर दिन मंगलवार को नहाय-खाय छठ पर्व का पहला दिन, 6 नवम्बर दिन बुधवार को छठ पर्व का दूसरा दिन खरना और लोंहड़ा, 7 नवम्बर दिन बृहस्पतिवार को छठ पर्व का तीसरा दिन संध्या अर्घ्य, और 8 नवम्बर दिन शुक्रवार को छठ पर्व का उषा अर्घ्य चौथा दिन होगा।

छठ पूजा में सूर्य को अर्घ्य देना जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का एक तरीका है। सूर्य केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं है। वह जीवन के पोषण कर्ता भी हैं। मनुष्य को प्रकृति से जोड़ने वाली इस पर्व के समय उन्हें प्रसन्न करके प्रकाश, ऊर्जा और जीवन को बनाए रखने की शक्ति देने के लिए धन्यवाद अर्पित किए जाने की परिपाटी है। यह पूजा जीवन, ऊर्जा और समृद्धि के प्रतीक माने जाने वाले सूर्य देवता और छठी मैया के प्रति आभार व्यक्त करने का एक माध्यम है। यह पर्व प्रकृति के साथ सामंजस्य और सम्मान का प्रतीक भी है।

सूर्य षष्ठी व्रत के संबंध में अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार प्राचीन काल में प्रियव्रत नाम के एक राजा थे। उनकी पत्नी का नाम मालिनी था। दोनों की कोई संतान नहीं होने से राजा और उसकी पत्नी बहुत दुखी रहते थे। उन्होंने महर्षि कश्यप से इसके लिए उपाय पूछा। इस पर महर्षि कश्यप ने उन्हें पुत्रेष्टि यज्ञ करने की सलाह दी। राजा ने संतान प्राप्ति की इच्छा से महर्षि कश्यप द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ करवाया। इस यज्ञ के फलस्वरूप रानी गर्भवती हो गईं। नौ महीने बाद उन्हें संतान सुख तो प्राप्त हुआ, लेकिन प्रसव के समय रानी को मृत पुत्र प्राप्त हुआ। जिससे राजा को बहुत दुःख हुआ। संतान शोक में राजा ने आत्महत्या का मन बना लिया। लेकिन जैसे ही राजा ने आत्महत्या करने की कोशिश की उनके सामने एक सुंदर देवी प्रकट हुई, और उसने राजा से कहा कि मैं षष्ठी देवी हूं। मैं लोगों को पुत्र का सौभाग्य प्रदान करती हूं। सच्चे भाव से मेरी पूजा करने वाले की मैं सर्वमनोरथों को पूर्ण कर देती हूं। यदि तुम मेरी पूजा करोगे तो मैं तुम्हें भी पुत्र रत्न प्रदान करूंगी। देवी की आज्ञा का पालन करते हुए राजा और उनकी पत्नी ने कार्तिक शुक्ल की षष्ठी तिथि के दिन देवी षष्ठी की विधि -विधान से पूजा की। इस पूजा के फलस्वरूप उन्हें एक सुंदर पुत्र की प्राप्ति हुई। उस समय से ही छठ का पावन पर्व मनाया जाने लगा। महाभारत व पुराणों के अनुसार सूर्यपुत्र कर्ण भी भगवान सूर्य की नियमित रूप से पूजा करते थे। उनके लिए उपवास रखते थे तथा भगवान सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्यदेव की कर्ण पर बहुत कृपा रहती थी। मान्यता है कि कर्ण द्वारा किए गए नियमित पूजा अनुष्ठानों को ही वर्तमान में छठ पूजा कहा जाता है। एक अन्य कथा के अनुसार पांडवों के द्वारा सम्पूर्ण राज-पाट द्युत क्रीड़ा में हार जाने पर श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को छठ व्रत रखने को कहा। द्रौपती ने व्रत का पूरा किया तब उसकी मनोकामनाएँ पूरी हुईं तथा पांडवों को राजपाट वापस मिला। ऐसी भी मान्यता है कि त्रेतायुग में लंका विजय पश्चात रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास कर सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय पुनः अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया था। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से षष्ठी तिथि (छठ) को एक विशेष खगोलीय परिवर्तन होता है, इस समय सूर्य की पराबैगनी किरणें पृथ्वी की सतह पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्र हो जाती हैं। इस कारण इसके सम्भावित कुप्रभावों से मानव की यथासम्भव रक्षा करने का सामर्थ्य छठ पूजा के समय जल में खड़ा होकर सूर्य के प्रकाशस्नान से प्राप्त होता है। छठ पूजा के त्योहार का पालन करने से सूर्य प्रकाश के हानिकारक प्रभाव से जीवों की रक्षा होती है। कुष्ठ रोगों सहित विभिन्न प्रकार के त्वचा रोगों के इलाज के लिए भगवान सूर्य की पूजा की जाती है।

छठ पूजा में सूर्य को अर्घ्य देना जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का एक तरीका है। सूर्य केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं है। वह जीवन के पोषण कर्त्ता भी हैं। मनुष्य को प्रकृति से जोड़ने वाली इस पर्व के समय उन्हें प्रसन्न करके प्रकाश, ऊर्जा और जीवन को बनाए रखने की शक्ति देने के लिए धन्यवाद अर्पित किए जाने की परिपाटी है। यह पूजा जीवन, ऊर्जा और समृद्धि के प्रतीक माने जाने वाले सूर्य देवता और छठी मैया के प्रति आभार व्यक्त करने का एक माध्यम है। यह पर्व प्रकृति के साथ सामंजस्य और सम्मान का प्रतीक भी है। यह प्रकृति की शुद्धता और संतुलन को बनाए रखने की प्रेरणा और जलवायु संरक्षण की शिक्षा देती है। इसके अनुष्ठानों में किसी भी प्रकार की दूषित सामग्री अथवा प्रदूषण को बढ़ावा नहीं दिया जाता। इसलिए स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश फैलाना भी छठ पूजा का एक उद्देश्य है।

नजरिया

पीड़ितों को कब तक मिलती रहेगी 'तारीख-पे-तारीख'?

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

भारत में न्यायिक बैकलॉग एक बड़ी चुनौती है, जहाँ विभिन्न न्यायालयों में 4 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। इस बैकलॉग का एक मुख्य कारण अत्यधिक न्यायिक स्थगन है, जो मामले के समाधान में देरी करता है और न्याय प्रदान करने में बाधा डालता है। कार्यवाही को सुव्यवस्थित करने के प्रयासों के बावजूद, बार-बार स्थगन प्रगति को बाधित कर रहे हैं। इस मुद्दे को सम्बोधित करने के लिए इसके मूल कारणों को समझना और व्यवस्थित सुधारों को लागू करना आवश्यक है। बार-बार स्थगन से मामलों की अवधि बढ़ जाती है, कभी-कभी अंतिम समाधान में वर्षों या दशकों तक का समय लग जाता है, जिससे न्यायपालिका की दक्षता प्रभावित होती है। प्रत्येक स्थगन मुकदमेबाजी के समग्र ख़र्च को बढ़ाता है, जिससे पक्षकारों पर वित्तीय बोझ पड़ता है, खासकर निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर। स्थगन के कारण विस्तारित समयसीमा समय पर न्याय तक पहुँच को सीमित करती है, जिससे न्यायिक प्रणाली में जनता का विश्वास प्रभावित होता है।

अंडरट्रायल से जुड़े आपराधिक मामलों में अक्सर कई स्थगन होते हैं, जिससे न्याय में देरी होती है और निष्पक्ष और त्वरित सुनवाई के आरोपी के अधिकार पर असर पड़ता है। स्थगन के कारण न्यायालय का बहुमूल्य समय नष्ट हो जाता है, जिसका उपयोग अन्य मामलों को निपटाने में किया जा सकता है, जिससे प्रणाली की समग्र दक्षता कम हो जाती है। स्थगन के कारण होने वाली देरी से गवाहों में थकान, स्मृति क्षरण और कभी-कभी पीछे हटने की प्रवृत्ति पैदा हो सकती है, जिससे साक्ष्य की गुणवत्ता और मामले के परिणामों पर असर पड़ता है। गवाहों को डराने-धमकाने के मामलों में, बार-बार स्थगन के कारण गवाह अपने बयान से मुकर जाते हैं या बदल देते हैं, जिससे फैसले पर असर पड़ता है।

प्रक्रियात्मक संहिता स्थगन के लिए छूट प्रदान करती है, जिससे वकील रणनीतिक लाभ के लिए इस लचीलेपन का फायदा उठा सकते हैं। सिविल प्रक्रिया संहिता कुछ शर्तों के तहत स्थगन की अनुमति देती है, लेकिन कार्यवाही में देरी के लिए अक्सर इसका दुरुपयोग किया जाता है। उच्च केस लोड और सीमित न्यायालय कर्मचारी बार-बार स्थगन में योगदान करते हैं, क्योंकि न्यायाधीश प्रत्येक मामले को पर्याप्त समय आवंटित करने के लिए संघर्ष करते हैं। निचली अदालतों में, न्यायाधीशों पर अक्सर बहुत अधिक बोझ होता है, वे हर महीने सैकड़ों मामलों को संभालते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सुनवाई स्थगित हो जाती है। पक्षकार व्यक्तिगत या रणनीतिक कारणों से कार्यवाही में देरी करने के लिए जानबूझकर स्थगन की मांग कर सकते हैं, जैसे कि वित्तीय देनदारियों में देरी या प्रतिकूल निर्णयों को स्थगित करना। संपत्ति विवादों में, प्रतिवादी कभी-कभी समाधान के बिना कब्जे को लम्बा करने के लिए बार-बार स्थगन का अनुरोध करते हैं।

प्रभावी केस प्रबंधन प्रणालियों की अनुपस्थिति का मतलब है कि मामलों को कुशलतापूर्वक शेड्यूल या मॉनिटर नहीं किया जाता है, जिससे अनावश्यक स्थगन होता है। डिजिटल केस-ट्रैकिंग सिस्टम की कमी वाले न्यायालयों को प्रशासनिक अक्षमताओं का सामना करना पड़ता है, जिससे केस की प्रगति की निगरानी करना और देरी को कम करना कठिन हो जाता है। प्रशिक्षित न्यायालय कर्मियों की सीमित उपलब्धता, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, प्रक्रियात्मक देरी और स्थगन के लिए बार-बार अनुरोध की ओर ले जाती है। प्रक्रियात्मक संहिताओं में संशोधन करके स्थगन की संख्या सीमित करें, ख़ास तौर पर दीवानी और आपराधिक मामलों में। कुछ उच्च न्यायालयों ने स्थगन की अधिकतम सीमा तीन प्रति मामले तक सीमित करने के लिए सुधार पेश किए हैं, जिससे केस समाधान समयसीमा में सुधार हुआ है। शेड्यूलिंग को सुव्यवस्थित करने, केस की प्रगति की निगरानी करने और न्यायालय के संसाधनों को प्रभावी ढंग से आवंटित करने के लिए डिजिटल केस प्रबंधन उपकरण लागू करें। ई-कोर्ट परियोजना का उद्देश्य कुशल केस ट्रैकिंग, पारदर्शिता बढ़ाने और अनावश्यक देरी को कम करने के लिए डिजिटल सिस्टम शुरू करना है।

मामलों के कुशल निपटान को प्रोत्साहित करने और स्थगन को कम करने के लिए न्यायाधीशों और न्यायालय के कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन प्रोत्साहन पेश करें। राज्यों ने ऐसी योजनाएँ लागू की हैं जो न्यायिक अधिकारियों को केस समयसीमा का पालन करने के लिए पहचानती हैं और पुरस्कृत करती हैं, जिससे जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है। केस हैंडलिंग क्षमता में सुधार के लिए, विशेष रूप से अधिक बोझ वाली अदालतों में, अतिरिक्त कर्मियों की नियुक्ति करके न्यायाधीशों की कमी को दूर करें। अतिरिक्त ज़िला न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए हाल ही में सरकार की पहल ने कुछ उच्च-लंबित क्षेत्रों में केस लोड को कम करने में मदद की है। वकीलों को नैतिक प्रथाओं पर शिक्षित करने, अनावश्यक स्थगन अनुरोधों को हतोत्साहित करने और समय पर केस समाधान को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करें। कानूनी निकायों ने सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिनका उद्देश्य कुशल मामले निपटान की संस्कृति विकसित करना है।

भारत के न्यायिक बैकलॉग को सम्बोधित करने और न्याय वितरण को बढ़ाने के लिए न्यायिक स्थगन को कम करना आवश्यक है। केस प्रबंधन, स्थगन को सीमित करने और न्यायिक क्षमता का विस्तार करने जैसे उपायों को अपनाकर, न्यायपालिका एक कुशल प्रणाली की ओर प्रगति कर सकती है। यह सही कहा गया है, न्याय में देरी न्याय से इनकार है, सभी के लिए निष्पक्ष और न्यायसंगत न्याय सुनिश्चित करने के लिए समय पर सुधारों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुझे व्हाइट हाउस नहीं छोड़ना चाहिए था : ट्रंप

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका में मंगलवार को 47वें राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए मतदान होगा। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता कमला हैरिस के बीच कड़ा मुकाबला दिख रहा है।

माना जा रहा है कि यह मुकाबला ऐतिहासिक होने वाला है और इतिहास में पिछले कई दशकों में व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) के लिए सबसे करीबी मुकाबले के रूप में दर्ज होने वाला है।

चुनाव के दिन की उल्टी गिनती शुरू होने के साथ ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप (78) ने 2020 के चुनाव की कड़वी यादें ताजा करते हुए कहा कि उन्हें व्हाइट हाउस नहीं छोड़ना चाहिए था। उनके इस बयान से यह आशंका पैदा हो गई कि अगर वह हैरिस (60) से चुनाव हार गए तो शायद वह पांच नवंबर के मतदान के नतीजे को स्वीकार नहीं करेंगे। पूर्व राष्ट्रपति ने पेंसिल्वेनिया के लिटिट्ज में एक रैली में कहा, मुझे (व्हाइट हाउस से) नहीं जाना चाहिए था। मैं ईमानदारी से कह रहा हूं, क्योंकि... हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। चुनाव के बाद जो बाइडन सत्ता में आए। ट्रंप ने मतदान प्रक्रिया में धोखाधड़ी का आरोप लगाया और परिणाम को अदालत में चुनौती दी, जिसने उनके दावों को खारिज कर दिया।

मिशिगन जैसे महत्वपूर्ण चुनावी राज्य में अपने समापन भाषण में हैरिस ने कहा कि वह सभी अमेरिकियों की राष्ट्रपति बनेंगी। उन्होंने ''घृणा और विभाजन'' से ऊपर उठने की आवश्यकता पर बात की, जबकि ट्रंप ने अपने डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपना हमला जारी रखा। उपराष्ट्रपति हैरिस ने मिशिगन में अपनी रैली में कहा, यह हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव होने जा रहा है और माहौल हमारे पक्ष में है, क्या आप इसे महसूस कर सकते हैं।

हैरिस ने अपनी टिप्पणियों में गाजा में युद्ध का भी जिक्र किया, जिसे राज्य में अरब अमेरिकी मतदाताओं तक पहुंचने के प्रयास के रूप में देखा गया। उन्होंने कहा, गाजा में मृत्यु और विनाश के पैमाने को देखते हुए तथा लेबनान में आम नागरिकों के मारे जाने और विस्थापन को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह वर्ष मुश्किल भरा रहा है। यह विनाशकारी है। अमेरिका भर में प्रारंभिक और डाक से मतदान पर नजर रखने वाले फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के 'इलेक्शन लैब' के अनुसार, रविवार तक 7.5 करोड़ से अधिक अमेरिकी लोग अपने वोट डाल चुके हैं।

हैरिस की तुलना में ट्रंप 'स्पष्ट रूप से बेहतर विकल्प' हैं : निक्की हेली

वाशिंगटन/भाषा। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप डेमोक्रेटिक पार्टी की अपनी प्रतिद्वंद्वी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की तुलना में 'स्पष्ट रूप से बेहतर विकल्प' हैं।

हेली ने अनिर्णय की स्थिति वाले मतदाताओं से दोनों उम्मीदवारों के नीति प्रस्तावों पर गौर करने का आग्रह किया। उन्होंने चुनाव के दिन से दो दिन पूर्व प्रकाशित 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' के संपादकीय में कहा कि स्पष्ट रूप से ट्रंप बेहतर विकल्प हैं।

साउथ कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर ने रविवार को 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' में एक लेख में लिखा, मैं हर बार ट्रंप से 100 फीसदी सहमत नहीं होती। लेकिन मैं ज्यादातर समय उनसे सहमत रहती हूं और मैं हैरिस से लगभग हर समय असहमत रहती हूं। इससे यह निर्णय लेना आसान हो जाता है। यहां कुछ तथ्य हैं जो मेरे लिए सबसे अधिक प्रासंगिक हैं।

पूर्व राष्ट्रपति के पक्ष में भारतीय अमेरिकी हेली ने लिखा, क्या ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में कुछ ऐसी चीजें करेंगे जो मुझे पसंद नहीं हैं? मुझे यकीन है कि वे ऐसा करेंगे। अगर मतदाताओं के सामने यही सवाल होता, तो मुझे लगता है कि ट्रंप हार जाते।

लेकिन किसी भी चुनाव में यह सवाल नहीं होता। उन्होंने कहा, कोई भी राजनेता सब कुछ सही नहीं कर सकता।

हममें से जो लोग ट्रंप की कमियों को स्पष्ट तौर पर देख पाते हैं और उन्हें ईमानदारी से स्वीकार करते हैं, उनके लिए सवाल यह है कि क्या हम उनकी नीतियों या उनके प्रतिद्वंद्वी की नीतियों के साथ बेहतर हैं। हेली ने आरोप लगाया कि जो बाइडन - कमला हैरिस के एजेंडे ने दुनिया को कहीं अधिक खतरनाक बना दिया है। उन्होंने तर्क दिया कि ट्रंप प्रशासन बाइडन-हैरिस प्रशासन से अलग होगा।

उद्घाटन

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी सोमवार को पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम कॉम्प्लेक्स में 7 दिवसीय तीसरे पंचकूला पुस्तक मेले के उद्घाटन के अवसर पर।

कनाडाई प्रशासन ने भारतीय दूतावास के सुरक्षा संबंधी अनुरोध को 'जानबूझकर' नजरअंदाज किया: विहिप

नई दिल्ली/भाषा

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर हुए हमले को चिंता का विषय बताया और आरोप लगाया कि कनाडाई प्रशासन से सुरक्षा प्रदान करने के लिए भारतीय वाणिज्य दूतावास के अनुरोध को ''जानबूझकर'' नजरअंदाज किया गया।

खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों की रविवार को ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में लोगों के साथ झड़प हुई, जिसके बाद ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने एक कड़ा बयान जारी कर 'भारत विरोधी' तत्वों द्वारा किए गए हमले की निंदा की।

घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने एक बयान में कहा, कनाडा में हिन्दू मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों द्वारा किया गया हमला बेहद निंदनीय है। वहां भारतीय दूतावास द्वारा एक शिविर का आयोजन किया गया था। दूतावास ने इसकी पूर्व सूचना तीन दिन पहले कनाडा सरकार को दी थी और उचित सुरक्षा का आग्रह भी किया था लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि कनाडा में मंदिर पर हमले की यह पहली घटना नहीं है, इसके पहले भी ग्रेटर टोरंटो, ब्रिटिश कोलंबिया और ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिरों पर हमले हो चुके हैं।

कुमार ने कहा कि अभी 31 अक्टूबर को दिवाली के अवसर पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने वक्तव्य में यह कहा था कि ''इंडो-कैनेडियन कनाडा के सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, ट्रूडो ने यह भी कहा था कि हम हिन्दू कनाडाई लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे ताकि वे स्वतंत्र रूप से और गर्व से अपने धर्म का पालन कर सकें। उनकी यह घोषणा खोखली साबित हुई।

फुकुशिमा आपदा के 13 साल बाद चालू हुआ परमाणु संयंत्र फिर बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोक्यो/एपी। फुकुशिमा में 2011 में आए भीषण भूकंप और सुनामी झेलने वाला जापान का वह परमाणु संयंत्र सोमवार को फिर बंद कर दिया गया जो पिछले सप्ताह ही 13 साल बाद चालू किया गया था। इसका संचालन करने वाली कंपनी ने यह जानकारी दी।

जापान के उत्तरी तट पर स्थित ओनागावा परमाणु ऊर्जा संयंत्र में नंबर-दो रिएक्टर को 29 अक्टूबर को पुन: चालू किया गया था और नवंबर की शुरुआत में बिजली उत्पादन शुरू होने की उम्मीद थी।

संयंत्र का संचालन करने वाली फर्म 'तोहोकू इलेक्ट्रिक पावर कंपनी' ने बताया कि रिएक्टर के अंदर न्यूट्रॉन डेटा से संबंधित उपकरण में रविवार को गड़बड़ी सामने आई जिसके कारण इसे पांच दिन बाद ही बंद करना पड़ा।

कंपनी ने कहा कि रिएक्टर सामान्य रूप से काम कर रहा था और पर्यावरण में कोई विकिरण भी नहीं फैल रहा था।

इसने कहा कि उसने लोगों की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए उपकरणों की फिर से जांच करने की खातिर इसे बंद करने का फैसला किया। हालांकि, यह दोबारा कब चालू होगा इस बारे में कोई तिथि नहीं बताई गई है।

'सिंघम अगेन' ने पहले वीकेंड में 121 करोड़ की कमाई की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन ने अपने पहले वीकेंड के दौरान 121 करोड़ की कमाई कर ली है। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन, सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। सिंघम अगेन दीवाली के अवसर पर 01 नवंबर को रिलीज हुयी है। सिंघम अगेन में अजय देवगन, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर,टाइगर श्रॉफ,अक्षय कुमार,रणवीर सिंह, रवि किशन और जैकी श्राफ की अहम भूमिका है।इस फिल्म को फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार 'सिंघम अगेन' ने भारत में ओपनिंग डे पर 43.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। दूसरे दिन फिल्म ने 42.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। तीसरे दिन फिल्म ने 35 करोड़ रुपए की अनुमानित कमाई की है। इस तरह फिल्म ने तीन दिन में भारत में 121 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है।

'कुबेर' का टीजर 15 को रिलीज़ होगा

मुंबई/एजेन्सी

धनुष, नागार्जुन अक्किनेनी और रश्मिका मंदाना स्टारर कुबेर का टीज़र 15 नवंबर को रिलीज़ होगा। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म कुबेर के निर्माताओं ने फिल्म के टीज़र की रिलीज़ तिथि की घोषणा की है।कुबेर का टीज़र 15 नवंबर को रिलीज़ होगा। कुबेर ने अपनी प्रारंभिक घोषणा के बाद से ही अपने भव्य पैमाने, शक्तिशाली कथानक और शानदार कलाकारों की बदौलत काफी उत्साह पैदा किया है। भारतीय सिनेमा के कुछ बेहतरीन अभिनेताओं की विशेषता वाली कुबेर में धनुष, नागार्जुन अक्किनेनी, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ प्रमुख भूमिकाओं में हैं। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित फिल्म कुबेर को तमिल और तेलुगु में एक साथ शूट किया गया है।फिल्म के गाने शूट होने के साथ ही फिल्म पूरी होने वाली है, जो प्रोडक्शन को पूरा करने से पहले का अंतिम चरण है।

वरूण धवन की फिल्म 'बेबी जॉन' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता वरूण धवन की आने वाली फिल्म बेबी जॉन का टीजर रिलीज हो गया है।

वरुण धवन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर चर्चा में हैं।'बेबी जॉन' का टीजर रिलीज हो गया है।बेबी जॉन का टीजर एक बच्ची से शुरू होता है,जो अपने पिता वरुण धवन के बारे में बताती नजर आती है। वही, दूसरी ओर वरुण धवन भी धमाकेदार एक्शन करते नजर आते हैं।

फिल्म में वरुण पुलिस वाले की भूमिका में नजर आते हैं। इसके अलावा फिल्म की अभिनेत्रियों में कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी की झलक भी देखने को मिली है। वही, जैकी श्रॉफ फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आने वाले हैं। बेबी जॉन के निर्माताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टेस्टर कट को रिलीज किया है। बेबी जॉन को जियो स्टूडियोज, एटली ने ए फॉर एप्पल स्टूडियोज और सिने 1 स्टूडियोज के साथ मिलकर प्रस्तुत किया है। ए. कालीस्वरन द्वारा निर्देशित, यह मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

हेमा मालिनी ने चेन्नई में मनाया भाई-दूज का त्योहार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल और सांसद हेमा मालिनी ने चेन्नई में भाई-दूज का त्योहार मनाया। देशभर में 03 नवंबर को भाई-दूज का त्योहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। हेमा मालिनी ने भी अपने भाई के साथ इस खास पर्व का जश्न मनाया है। हेमा मालिनी ने अपने भाई और भाभी के साथ सोशल मीडिया पर सेलिब्रेशन की तस्वीरों को शेयर किया है। इसके साथ ही फैंस को भाई दूज की शुभकानाएं भी दी हैं। भाई दूज को सेलिब्रेट करने के लिए हेमा मालिनी अपने भाई के घर चेन्नई पहुंची थी।इस दौरान उन्होंने भाई कन्नन के साथ भाई-दूज को मनाया है। हेमा मालिनी ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर इस मौके की लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है, जिनमें उनके साथ भाई और भाभी दोनों एक साथ दिखाई दे रहे हैं। हेमा मालिनी ने इन फोटोज के कैप्शन में लिखा है,आज भाई दूज के खास अवसर पर मैं अपने भाई कन्नन के साथ चेन्नई में इसका जश्न मना रही हूं।

भाई कन्नन हमेशा से मेरे एक साथ के तौर पर संग मौजूद रहे हैं और मेरे काम में उन्होंने हमेशा समर्थन देते हुए भाई का फर्ज निभाया है। मेरे भाई और भाभी प्रभा।

मिथुन चक्रवर्ती की पहली पत्नी हेलेना ल्यूक का अमेरिका में निधन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता से राजनेता बने मिथुन चक्रवर्ती की पहली पत्नी अभिनेत्री हेलेना ल्यूक का अमेरिका में निधन हो गया है। हेलेना ल्यूक ने 3 नवंबर (रविवार) को अंतिम सांस ली। हालांकि, उनकी मौत का कारण पता नहीं चल पाया है। हेलेना ने अमिताभ बच्चन की फिल्म 'मर्द' में काम किया था।

इस फिल्म में उन्होंने ब्रिटिश रानी की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म से उन्हें पॉपुलैरिटी मिली थी। उनकी और मिथुन चक्रवर्ती की शादी केवल चार महीने चली थी। हेलेना ने अपने अंतिम फेसबुक पोस्ट में लिखा था, अजीब लग रहा है। मिली जुली भावनाएं हैं और पता नहीं ऐसा क्यों है, असमंजस में हूं। हेलेना मौत की खबर की पुष्टि डांसर-एक्ट्रेस कल्पना अय्यर ने सोशल मीडिया पर की।

मिथुन चक्रवर्ती से अलग होने के बाद हेलेना संयुक्त राज्य अमेरिका चली गईं। यहां उन्होंने एयरलाइन इंडस्ट्री में काम किया। उन्हें हिंदी सिनेमा में उनके योगदान के लिए याद किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हेलेना ने फिल्म 'दो गुलाब', 'आओ प्यार करें' और 'भाई आखिर भाई होता है' जैसी फिल्मों में काम किया था। हेलेना और मिथुन की शादी साल 1979 में हुई थी, लेकिन उनकी शादी केवल चार महीने ही चली थी। हेलेना ल्यूक ने एक मैगजीन को दिए एक पुराने इंटरव्यू के दौरान मिथुन चक्रवर्ती के साथ अपनी चार महीने की शादी को एक धुंधला सपना बताया था।

इंटरनेट पर जलवे बिखेरती नजर आईं अभिनेत्री नरगिस फाखरी

मुंबई/एजेन्सी

रॉकस्टार अभिनेत्री नरगिस फाखरी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर चटक लाल साड़ी में आकर्षक तस्वीरें साझा की हैं। रविवार को अभिनेत्री ने अपनी खूबसूरत तस्वीरों की सीरीज को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर कर छोटा सा कैप्शन दिया और लिखा रेड हॉट में जलवे बिखेरने के लिए तैयार। दीपावली मना रहे हैं, वाह! शेयर की गई तस्वीरों में अभिनेत्री शाइन करती लाल साड़ी में जलवे बिखेरती नजर आ रही हैं, जिसे उन्होंने स्टाइलिश हील्स के साथ पेयर किया है। नरगिस ने लाल साड़ी में जैसे ही तस्वीरें शेयर की तो उनके प्रशंसकों ने प्रशंसा में कमेंट करना शुरू कर दिया। एक ने लिखा अब तक की सबसे हॉट सेलिब्रिटी। दूसरे यूजर ने लिखा पृथ्वी की सबसे सुंदर लड़की। तीसरे यूजर ने कहा, आप बहुत सुंदर लग रही हैं। अभिनेत्री ने इससे पहले प्रशंसकों को दीपावली की शुभकामनाएं देने के लिए शाइन करते ऑफ बीट सफेद लहंगा में अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की थी। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा हैप्पी दीपावली, यह दीपावली आपके और आपके प्रियजनों के लिए नई उम्मीद, सपने और उज्ज्वल कल लाए। नरगिस फाखरी के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने 16 साल की उम्र में एक मॉडल के रूप में अपना करियर शुरू किया था। फाखरी ने 2011 में इम्तियाज अली की म्यूजिकल-ड्रामा रॉकस्टार फिल्म में रणबीर कपूर के साथ एक्टिंग जगत में कदम रखा था। पहली फिल्म में ही नरगिस को उनके काम के लिए काफी तारीफ मिली।

फिल्म में नरगिस ने हीर कौल की भूमिका निभाई, जिसे बोन मैरो एपनेसिया बीमारी थी। इसके बाद नरगिस राजनीतिक थ्रिलर मद्रास कैफे में नजर आई थीं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

मानव सेवा में अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन के तत्वावधान में जयनगर स्थित केएमवाईएफ डीआर रांका डायलिसिस सेंटर के परिसर में सोमवार को कन्नड़ राज्योत्सव के अंतर्गत श्री वाणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित नई केएमवाईएफ डेंटल केयर वैन का उद्घाटन कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव के कर कमलों द्वारा किया गया।

गुरु दर्शन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली के नेतृत्व में लगभग 400 सदस्यीय गुरु दर्शन यात्रा संघ साध्वीश्री उदितयशाजी की प्रेरणा से गुरुदर्शन हेतु यशवंतपुर रेलवे स्टेशन से रवाना हुआ। इस मौके पर दिलीप भंसाली, संघ संयोजक गौतमचंद मुथा, सहसंयोजक दिनेश छाजेड़, उपाध्यक्ष ललित मांडोत, दिनेश पोखरना, मंत्री विनोद छाजेड़, सहमंत्री सुभाष पोखरना, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, नवनीत मुथा, प्रकाश बाबेल, गौतम डोसी, जयंती नाहर सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। यह संघ मंगलवार को आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन करेंगा तथा 9 को बेंगलूरु वापस आएगा।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद इस वर्ष एचएमटी ग्राउंड पर छठ पूजा मनाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट बिहार भवन, आरटी नगर के संयुक्त तत्वावधान में एक बैठक का आयोजन हुआ जिसमें संयोजक हरिश्चंद्र झा, ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश्वर सिंह, परिषद अध्यक्ष एसके उपाध्याय, सचिव पंडित राजगुरु, मिंटू दुबे, विनय कुमार मनोज मिश्रा, विनोद कुमार, प्रवीण उपाध्याय आदि उपस्थित थे। इस बैठक में इस वर्ष छठ महापर्व आरटी नगर स्थित एचएमटी ग्राउंड में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर छठ पर्व की तैयारियों की समीक्षा की गई। नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल ने पूजा का कार्यभार संभाला। छठ पर्व की अध्यक्षा शीलासिंह रामलखन सिंह को बनाया गया है।

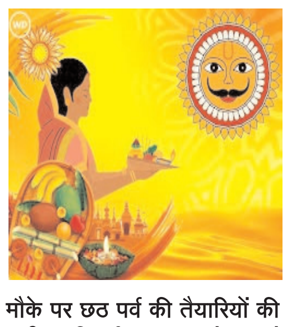

बैठक में आयोजकों ने बताया कि छठ पर्व चार दिनों का महापर्व है। 5 नवंबर को नहाय खाय, 6 नवम्बर को खरना, 7 नवम्बर को सायंकालीन अर्घ्य एवं 8 नवंबर को प्रातः कालीन अर्घ्य के साथ यह पर्व संपन्न होगा। बिहार, झारखंड, उत्तरी पूर्वी बिहार एवं उत्तर प्रदेश से सटे हुए भागों में यह पर्व खासकर मनाया जाता है। बिहारी समुदाय का यह सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। इस पर्व में भगवान सूर्य की पूजा की जाती है। एकमात्र यह पर्व है, जिसमें डूबते हुए सूर्य एवं उगते हुए सूर्य दोनों की पूजा की जाती है। छठ पर्व का विधान वैदिक काल से चला आया है। रामायण और महाभारत में भी इसका वर्णन है। इस व्रत में महिला या पुरुष 36 घंटे का निर्जला व्रत में रहते हैं। यह जानकारी परिषद के सचिव पंडित राजगुरु ने दी।

जैन
युवा संगठन
बेंगलोर
शिक्षा-सेवा-संगठन

'नवकार करे भव पार 3.0' के समापन पर हुए लक्की ड्रा, वितरित किए गए रजत सिक्के

बेंगलूरु। शहर के जैन युवा संगठन ने इस वर्ष को विशेष रुप से भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण वर्ष के रुप में मना रहा है। संगठन ने इस वर्ष शहर में चातुर्मासार्थ विराजित सभी साधु साध्वियों की प्रेरणा से 'नवकार करे भवपार 3.0' अभियान के तहत शहर में विभिन्न धार्मिक स्थलों व घर-घर पर 25करोड़ 50 लाख नवकार जाप का आयोजन करवाया। प्रत्येक संघ की निश्रा में आराधक परिवारों के नवकार कार्ड संग्रहित कर लक्की ड्रा का आयोजन कर भाग्यशाली धार्मिक आराधकों को रजत सिक्के प्रदान किए गए। संगठन के अध्यक्ष महावीर मुनोत ने भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव पर नमन करते हुए सभी साधु साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। समन्वय समिति के चेयरमैन मुकेश बाबेल ने बताया कि लक्की ड्रा में विजेता हुए श्रावक श्राविकाओं को स्थानीय पदाधिकारियों के करकमलों से 'रजत सिक्के' वितरित किए गए। संगठन के मंत्री नीरज कटारिया ने धन्यवाद दिया। विभिन्न चातुर्मास स्थलों पर उपाध्यक्ष मुकेश सुराना, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल, समन्वय समिति के सहसंयोजक अनुराग ललवानी, रितेश मेहता की उपस्थिति रही।

केएमवाईएफ डेंटल केयर वैन का हुआ लोकार्पण

मंत्री दिनेश गुंडूराव ने किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा में अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन के तत्वावधान में जयनगर स्थित केएमवाईएफ डीआर रांका डायलिसिस सेंटर के परिसर में सोमवार को कन्नड़ राज्योत्सव के अंतर्गत श्री वाणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित नई केएमवाईएफ डेंटल केयर वैन का उद्घाटन कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव के कर कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रमुख समाजसेवी बाबूलाल रांका द्वारा कर्नाटक ध्वज को फहराकर किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन दिनेश गुंडुराव, बाबूलाल रांका, अशोक रांका, फेडरेशन के अध्यक्ष रमेश सांखला, डेंटल केयर के संयोजक धीरज कोचेटा, अभिषेक संचेती, निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. उत्तम खींचा, प्रकाश रांका आदि सदस्यों ने किया।

दिनेश गुंडुराव ने केएमवाईएफ की गतिविधियों की जानकारी लेकर उनकी सराहना की तथा आश्वासन दिया कि राज्य सरकार फेडरेशन की सेवा कार्यों में सहयोग देने के लिए हमेशा आगे रहेगी। गुंडुराव ने कहा कि फेडरेशन द्वारा संचालित निःशुल्क डेंटल सेवाएं निःसंदेह जरूरतमंदों के लिए उपयोगी साबित होगी। इस अवसर पर कृत्रिम पांव शिविर के चेयरमैन एफआर सिंघवी, डायलेसिस योजना के चेयरमैन कुशल पिरगल, केएमवाईएफ हेल्थ केयर सेंटर के चेयरमैन विजय भंडारी, मातृछाया की त्रिशला कोठारी एवं महिला सदस्यगण, रोटरी इंदिरानगर के पीयूष जैन, फेडरेशन के सदस्य एवं कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश पिरगल ने किया। धन्यवाद उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने दिया।

अग्रवाल समाज ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन

बड़ी संख्या में शामिल हुए समाज के सदस्य परिवारजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अग्रवाल समाज कर्नाटक ने रविवार को पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में धूमधाम व सौहार्दपूर्ण वातावरण में दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया। स्नेह मिलन का आगाज महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष समाज के अध्यक्ष सुभाष बसंल, सचिव सतीश गोयल, उपाध्यक्ष संजय जालान, ललित गुप्ता, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल, युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया सहित मदन अग्रवाल, रतनलाल सिंघल ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने समाज द्वारा आगामी 11 और 12 जनवरी को आयोजित होने वाले अग्रवाल ट्रेड फेयर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सचिव सतीश गोयल ने समाज की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कार्यक्रम की रुपरेखा बताई।

कार्यक्रम में उपस्थित संगीतकार व गायक विमल पंवार ने फिल्मी व राजस्थानी गीतों की प्रस्तुति देकर सभी को खूब मनोरंजन किया।

कार्यक्रम स्थल पर आयोजित लक्की ड्रॉ में लोगों ने उत्साह दिखाया और लक्की ड्रॉ के पुरुस्कार जीते। लक्की ड्रॉ में प्रथम इनाम चांदी की महाराजा अग्रसेन की मूर्ति विशेष पुरस्कार के रूप में थी। इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्य परिवारजनों ने एकदूसरे से दीपावली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में नरेश गुप्ता, विक्रम अग्रवाल, गणेश मित्तल, संजय तायल, प्रशांत गोयल ने व्यवस्था में सहयोग दिया। सचिव सतीश गोयल ने सभी को धन्यवाद दिया।

'आत्मा के शाश्वत सुख प्राप्त करने की दिशा में सम्यक पुरुषार्थ करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक हनुमंतनगर के तत्त्वावधान चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि आत्मा ही परमात्मा हैं। हमारी आत्मा अंनत शक्तिमान है। आवश्यकता हैं तो बस आत्मा में रही उन सुप्त शक्तियों को जाग्रत करने की। हमारा यह जीवन असंस्कृत है इसलिए इस जीवन में जागृत होना परम आवश्यक है। जो व्यक्ति उत्साही है, वीर्यवान व स्फूर्तिवान है वह अपनी सब बाधाओं पर और कार्य अवरोधक शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता है। भगवान महावीर ने धर्म साधना, जीवन को सन्मार्ग पर लगान के लिये विभिन्न प्रेरक शिक्षा सूत्र-अंग बताये हैं। यदि उनमें से एक भी शिक्षा-सूत्र की हम जीवन में धारण कर लेते हैं तो हमारा जीवन भी सफल-सुखी बन सकता हैं। सती अंजना चारित्र के माध्यम से उन्होनें कहा कि पुण्यावान आत्मा की धर्म भी रक्षा करता हैं, इसलिए कहा गया है कि 'धर्मो रक्षति रक्षितः। जो धर्म की रक्षा करता है तो धर्म भी उसकी रक्षा करता है। फिर चाहे वो जीव वन, निर्जन अरण्य में अकेला हो, चाहे विशालकाय समुद्र में गिर गया हो, चाहे रणभूमि में या शत्रुओं के बीच अकेला घिरा हो, चाहे पर्वत के उच्च शिखर पर या चाहे सोए हुए या जाग्रत अवस्था में हो, कोई भी दूसरी शक्ति उस पुण्यवान सदाचारी आत्मा का अनिष्ट-अहित नहीं कर सकती हैं। अपने पूर्वोपार्जित पुण्य की पूंजी से उस जीवात्मा की कदम-कदम पर देव सहायक रुप बन कर उसकी रक्षा और सेवा करते हैं । अतः हमें किसी भी परिस्थिति में अपने धर्म का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। महापुरुषों का जीवन इस बात का साक्षी हैं कि हर संकट में उनको धर्म ने उबारते हुए उनके जीवन को सुरक्षित बनाया।

प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने भगवान महावीर के साधना मार्ग की शुरुआत ही निर्विकल्पता और निर्विचार दिशा की ओर से होती है। विचार हमारे अस्थायी, क्षण-क्षण परिवर्तनशील होते हैं। यह जीवन की शाश्वत-सत्यता है कि संसार में कभी व्यक्ति की सभी इच्छायें पूरी नहीं होती। ज्ञानी वीतराग महापुरुर्षो ने कहा है कि बाध्य जगत के क्षणिक सुख के लिए नहीं बल्कि हमारे आत्मतत्व में विद्यमान उस शाश्वत सुख की प्राप्त करने की सही दिशा में पुरुषार्थ करें। तभी हमारी आत्मा सच्चे सुख, शांति को प्राप्त कर सकती है। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

ईर्ष्या करने वाला व्यक्ति नकारात्मक होता है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री विनयमुनिजी की निश्रा में सोमवार को ज्ञान पंचमी त्रय दिवसीय साधना आराधना की विशेष आराधना करते हुए 108 प्रकार के जाप के साथ 20 लोगस्स का पारायण ध्यानसहित हुआ। मुनिश्री ने कहा कि मानसिक रूप से यदि स्वस्थ रहना है तो किसी का बुरा नहीं सोचना चाहिए। बीमारी उनके मन में है। वे किसी न किसी इंसान से ईर्ष्या करते हैं और मन ही मन कुढ़ते हैं। मन में पल रही इस टीस के कारण वे खुलकर जी ही नहीं पाते हैं। मुनिश्री ने कहा कि ईर्ष्या करने वाला व्यक्ति नकारात्मक होता है। वह खुद को आगे बढ़ाने का प्रयत्न करता नहीं है और दूसरों की प्रगति के बारे में सोचकर परेशान रहता है। ईर्ष्या के कारण कई बार मन में क्रोध भी आता है। इस कारण मन और शरीर दोनों पर बुरा असर पड़ता है। ईर्ष्या करने से किसी का भला नहीं होता। इस कारण वह कभी स्वस्थ नहीं रह पाता। कुछ लोग किसी खास इंसान को देखकर खुश होने की बजाय चिढ़ने लगते हैं, हँसना बंद कर देते हैं, मन ही मन बड़बड़ाते हैं, इन सबसे कोई फायदा नहीं होने वाला है, सिर्फ सेहत ही बिगड़ेगी। जीवन में जहर घोल देती है। दूसरों की सफलता और खुशी देखकर चिढ़ने की बजाय उसमें शामिल होने का प्रयत्न करना चाहिए और उससे आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए। अगर ईर्ष्या मन में बसी रही तो आप अपने शरीर में बसी सकारात्मक शक्ति को खो बैठेंगे।

आपके माथे पर तनाव की लकीरें ही नजर आएँगी। आप जिस भी इंसान से मिलें, उसके गुणों की तरफ देखें। सच्चे दिल से गुणों की तारीफ करें। ईर्ष्या शरीर में एक प्रकार का जहर घोल देती है। इस जहर के कारण न तो खाया-पिया शरीर के काम आता है और न ही मन में अच्छे विचार आते हैं। ईर्ष्या करने की बजाय लोगों को प्रीति योग को बांटिए। फिर देखिएगा सेहत कितनी अच्छी रहेगी। सभी का स्वागत संघ महामंत्री संपतराज मांडोतने करते हुए बताया कि ज्ञान पंचमी की और आराधना दो दिन चलेगी।

'अणुव्रत मानवीय चेतना के जागरण का संदेश है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। शहर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में अणुव्रत दिवस पर विशेष कार्यक्रम ब्राह्मण समुदाय भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी शारदा जी शामिल हुईं। इस मौके पर साध्वी संयमलताजी ने कहा कि गुरुदेव तुलसी 20वीं सदी के महासूर्य थे। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से मानव धर्म की कल्पना की। नैतिकता, ईमानदारी, सत्यता, मानवीय करुणा जैसे जीवन मूल्यों को अपनाकर हम अपने देश के उन्नत चरित्र की कल्पना को साकार रूप दे सकते है। साध्वीश्री ने कहा कि आज हम उस महामानव संत तुलसी की 111वीं जयंती पर स्वयं के जीवन चरित्र को मूल्यों से संवार कर, उन्नति की दिशा प्रदान करे, ऐसा संकल्प स्वीकार करे। इस अवसर पर राजयोगिनी ने कहा कि हमारा जीवन शुभ भाव व शुभ चिंतन से ओत-प्रोत रहे किसी का हम अहित नहीं करे यही अणुव्रत क संदेश है। महिला मंडल ने मंगलाचरण से कार्यक्रम की मंगल शुरुआत की स्वागत व आभार ज्ञापन सभा के अध्यक्ष सुरेश भंसाली व मंत्री विनोद भंसाली ने किया। कन्या मंडल, ज्ञानशाला व महिला मंडल द्वारा रोचक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए साध्वी मार्दवश्री ने कहा कि आज की युगीन समस्याओं का समाधान अणुव्रत अर्थात संयम ही है। कार्यक्रम में मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष सज्ञनराज भंसाली, अरविंद श्रीश्रीमाल, स्थानकवासी सम्प्रदाय के अध्यक्ष अमरचंद डागा,मंत्री विजयराज तलेसरा, तेरापंथ सभा, तेयुप, कन्या मंड, ज्ञानशाला के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दीपावली स्नेह मिलन

बेंगलूरु के चिकपेट स्थित रंगा काम्प्लेक्स के सदस्यों ने बेंगलूरु गोरक्षणशाला गौशाला में दीपावली स्नेह मिलन मनाया। इस मौके पर सदस्यों ने गौशाला में गौसेवा की तथा गौशाला में आर्थिक सहयोग प्रदान किया। सदस्यों व महिलाओं के लिए अनेक मनोरंजन खेलों का आयोजन किया तथा सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर अनेक सदस्य परिवार उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीवदया

धारवाड़ जिले के कालाघाटगी तालुक में आयोजित होने वाली गुजम्मा देवी जात्रे में पशु बलि पर प्रतिबंध लगवाने के लिए विश्व पशु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष, पशु बलि उन्मूलन जागरूकता महासंघ और बसव धर्म ज्ञान पीठ के अध्यक्ष दयानंद स्वामी ने अथक प्रयास किए और एक हद तक सफलता भी पाई। कर्नाटक उच्च न्यायालय कर्नाटक पशु बलि के अनुसार दायर एक याचिका के जवाब में रोकथाम अधिनियम 1959 एवं नियम 1963 के तहत पुलिस विभाग द्वारा एक सप्ताह तक व्यापक अभियान चलाकर पशु बलि को रोकने में सफलता प्राप्त की।

अंतरिक्ष स्टेशन में छह महीने बिताने के बाद चीनी अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे

बीजिंग/भाषा। निचली कक्षा में अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करने के कार्य में छह महीने बिताने वाले तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री सोमवार रात पृथ्वी पर सुरक्षित लौट आए। मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी चीनी एजेंसी ने यह जानकारी दी। अंतरिक्ष यात्री ये गुआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु को लेकर अंतरिक्ष यान 'शेनझोउ-18' का कैप्सूल रात 1:24 बजे (बीजिंग समयानुसार) उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में डोंगफेंग स्थल पर उतरा। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि 192 दिन तक कक्षा में रहने के बाद तीनों अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य ठीक है और 'शेनझोउ-18' मानवयुक्त मिशन सफल रहा।

शेनझोउ-18 के मिशन कमांडर गुआंगफू एक वर्ष से अधिक के संचयी अंतरिक्ष उड़ान समय वाले पहले चीनी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। उन्होंने एक चीनी अंतरिक्ष यात्री के रूप में कक्षा में सबसे लंबे समय तक रहने का नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। उन्होंने अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक 'शेनझोउ-13' मिशन में अंतरिक्ष यात्री के रूप में कार्य किया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक राज्योत्सव

बेंगलूरु के कंगारू केयर अस्पताल विजयनगर द्वारा कर्नाटक राज्योत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महेन्द्र मुणोत उपस्थित थे। मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके ध्वजारोहण किया और कर्नाटक की धरोहर व सभ्यता के बारे में बताया। मुणोत ने जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। अस्पताल के दर्शन गौड़ा एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com